राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार, 18 जनवरी–2022 वर्ष–4,अंक–356 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पंडित बिरजू महाराज के निधन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित कई हस्तियों ने जताया शोक

दुनिया भर में अपने कथक नृत्य से हर किसी को कायल कर देने वाले पंडित बिरजू महाराज का रविवार देर रात निधन हो गया। 83 वर्षीय बिरजू महाराज की हार्ट अटैक से जान जाने की खबर सामने आई है। उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक व्यक्त किया है।?

नई दिल्ली। दुनिया भर में अपने कथक नृत्य से हर किसी को कायल कर देने वाले पंडित बिरजू महाराज का रविवार देर रात निधन हो गया। नृत्य दुनिया के मशहूर 83 वर्षीय बिरजू महाराज की हार्ट अटैक से जान जाने की खबर सामने आई है। उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शोक व्यक्त किया है।? पीएम मोदी ने पंडित बिरजू महाराज के दुर्भाग्यपूर्ण निधन पर उनके परिजनों और प्रशंसकों के साथ होने की बात कही।

पीएम मोदी ने ट्वीट कर प्रकट किया दुख

महान कलाकार पंडित बिरजू महाराज का रविवार देर रात हुए निधन के बाद हर कोई शोक में डूबा हुआ है। इस दुख की घड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट करते हुए कहा, भारतीय

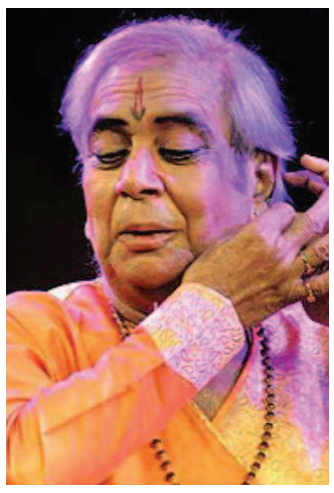

नृत्य कला को विश्वभर में विशिष्ट पहचान दिलाने वाले पंडित बिरजू महाराज जी के निधन से अत्यंत दुख

हुआ है। उनका जाना संपूर्ण कला जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। शोक की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिजनों और प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति!

पंडित बिरजू महाराज

दुनिया भर में अपनी कथक कला के लिए पंडित बिरजू महाराज मशहूर हैं। उनके निधन से कला की दुनिया को भारी क्षति पहुंची है। कला जगत का एक अनमोल सितारा आज टूट गया। 83 वर्षीय बिरजू महाराज का हार्ट अटैक के चलते यूं दुनिया छोड़ जाना हर किसी को खल रहा है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, रविवार देर रात पंडित बिरजू महाराज अपने पोते के साथ अच्छे भले खेल रहे थे, इसी बीच उन्हें हार्ट अटैक आया और वह जमीन पर गिर गए। आनन-फानन में उन्हें परिजनों द्वारा दिल्ली के साकेत के एक अस्पताल में ले जाया गया, जहां पहुंचने के बाद डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आपको बता दें कि पंडित बिरजू महाराज का स्वास्थ्य पिछले कुछ समय से ठीक नहीं चल रहा था। कुछ दिन पहले ही वें किडनी की समस्या से ठीक हुए थे और हाल फिलहाल वें डायलिसिस पर थे।

महान कलाकार पंडित बिरजू महाराज का रविवार देर रात हुए निधन के बाद हर कोई शोक में डूबा हुआ है। इस दुख की घड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट करते हुए कहा, भारतीय नृत्य कला को विश्वभर में विशिष्ट पहचान दिलाने वाले पंडित बिरजू महाराज जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है।

15+ को टीका शुरू, 12 से 14 साल के बच्चों को कब? कोविड टास्कफोर्स चीफ ने बताया

नई दिल्ली। नेशनल टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्यूनाइजेशन यानी NTGAI के चेयरमैन डॉक्टर एनके अरोड़ा ने बताया है कि देश में 12 से 14 साल के बच्चों का कोरोना टीकाकरण फरवरी के आखिरी हफ्ते या मार्च से शुरू हो सकता है। डॉक्टर अरोड़ ने बताया कि सरकार का लक्ष्य फिलहाल 15 से 18 साल के किशोरों को जनवरी अंत तक टीके की पहली और फरवरी अंत तक दूसरी खुराक देना है। डॉक्टर एनके अरोड़ा ने टीओआई से बातचीत के दौरान

कहा कि हम 12 से 14 साल की उम्र वाले बच्चों का टीकाकरण अभियान फरवरी के आखिर या मार्च के शुरुआती हफ्ते में आरंभ करना चाहते हैं। अभी देश में 15 से 18 साल के किशोरों का टीकाकरण चल रहा है, जो इसी साल 3 जनवरी से शुरू हुआ था। इस उम्र के किशोरों ने टीकाकरण अभियान में जमकर हिस्सा भी लिया है। अभियान के पहले ही दिन देश में 42 लाख से ज्यादा बच्चों को टीके की पहली खुराक दी गई थी। इस बीच भारत में कोरोना रोधी टीकाकरण अभियान शुरू हुए एक साल हो गया है। इस उपलक्ष्य पर स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने बताया कि देश की 70 फीसदी योग्य आबादी का टीकाकरण पूरा हो गया है तो वहीं 93 फीसदी लोगों को वैक्सीन की कम-से-कम एक खुराक दे दी गई है। भारत सरकार ने टीकाकरण अभियान का पहला चरण 16 जनवरी, 2021 से शुरू किया था। इसके बाद एक मार्च से अभियान का दूसरा चरण शुरू हुआ था। एक मई से केंद्र ने देश में सभी व्यस्कों के लिए टीकाकरण को मंजूरी दे दी थी।

यूपी की एक टीचर ने बदली 650 बच्चों की जिंदगी

दिल्ली। बरेली की एक सरकारी शिक्षिका ने एक मुहिम के तहत 650 दिव्यांग बच्चों का प्रवेश सरकारी स्कूल में करवा कर देश के दूसरे जिलों को राह दिखाई है.भारत में सरकारें दिव्यांग बच्चों को शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रयास कर रही हैं. जैसे कि उत्तर प्रदेश, जहां सबसे अधिक दिव्यांग हैं, वहां सरकारी प्राथमिक स्कूलों में विशेष शिक्षक रखे गए हैं जो दिव्यांग बच्चों को पढ़ाने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित होते हैं. लेकिन पढ़ाई शुरू करने से पहले ही एक चुनौती होती है, जिस कारण हजारों दिव्यांग स्कूल नहीं पहुंच पाते. वह है इन दिव्यांग छात्रों को चिन्हित करके उन्हें स्कूल में प्रवेश दिलवाना. बरेली की एक शिक्षिका दीपमाला पांडेय ने इस चुनौती से पार पाना अपना ध्येय बना रखा है. वह बरेली जनपद के भुता विकास खंड के गांव डभौरा गंगापुर प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापिका के पद पर कार्यरत हैं. उनके स्कूल में तीन साल पहले एक दिव्यांग बच्चे अनमोल ने प्रवेश लिया. इस बच्चे ने इनको काफी कुछ सोचने के लिए मजबूर कर दिया. दीपमाला बताती हैं कि अनमोल मानसिक रूप से दिव्यांग था और बोलने में उसे काफी कठिनाई थी. वह आम बच्चों की तरह पढ़ नहीं सकता था. मैंने उसके ऊपर विशेष ध्यान देना शुरू किया. ये तो नहीं कह सकते कि वो अन्य बच्चों के बराबर पहुंच गया लेकिन मेहनत करने से उसे कुछ मदद मिली. सबको साथ जोड़ा दीपमाला के अनुसार अनमोल जैसे दूसरे बच्चों तक शिक्षा पहुंचाने पर उन्होंने काफी सोच-विचार किया और अपने साथी शिक्षकों से भी बात की. अनमोल के कारण ही उन्होंने एक कार्यक्रम वन टीचर वन कॉल शुरू किया. इसके अंतर्गत उन्होंने अपने साथी शिक्षकों को जोड़ना शुरू कर दिया. सोशल मीडिया और व्हाट्सऐप से सब लोग आपस में जुड़े. इनमें बरेली के अलावा निकट के अन्य जनपदों के भी शिक्षक जुड़ गए. देखते-देखते यह संख्या 350 हो गई. इस मॉडल में सब शिक्षकों को कम से कम एक दिव्यांग बच्चे की जिम्मेदारी लेनी थी और उसका स्कूल में प्रवेश करवाना था।

कर्नाटक के कालेजों में बच्चों को हिजाब पहनने पर रोक का मुद्दा फिर गर्माया

बेंगलुरु। कर्नाटक के पापुलर फ्रंट आफ इंडिया के राज्य महासचिव, नासिर पाशा ने आरोप लगाया कि यहां के कालेज हिजाब के मुद्दे पर अनावश्यक विवाद पैदा कर रहे हैं जो कि मुसलमानों की धार्मिक स्वतंत्रता का भी उल्लंघन करना है। पापुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के कर्नाटक राज्य महासचिव नासिर पाशा ने राज्य के विभिन्न कालेजों में प्रचलित हिजाब विवादों के बारे में बयान जारी कर कहा कि कुछ कालेज हेडस्कार्फ के विषय पर अनुचित विवाद पैदा कर रहे हैं और मुसलमानों की मौलिक, धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन कर रहे हैं।

छात्रों को कक्षाओं में प्रवेश पर रोक का आरोप

नासिर पाशा ने आरोप लगाते हुए कहा कि उडुपी के सरकारी पीयू कालेज में मुस्लिम समुदाय के 6 छात्रों को कक्षाओं में प्रवेश

से वंचित किया गया और उन्हें बाहर बैठने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि उन्होंने स्कार्फ पहन रखा था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मंगलुरु के ऐकला में पोम्पेई कालेज के कुछ छात्र भगवा शाल पहनकर कालेज आए और हेडस्कार्फ पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। पाशा ने कहा कि इसी तरह का विवाद चिकमगलूर के कोप्पा के गवर्नमेंट फर्स्ट क्लास कालेज में गढ़ा गया था।

ड्रेस कोड केवल एसएसएलसी तक ही है लागू

पाशा ने आगे कहा कि वास्तव में, ड्रेस कोड अनिवार्य रूप से केवल एसएसएलसी तक ही लागू किए जाते हैं। जब पीयू या डिग्री कालेजों में ऐसा कोई अनिवार्य ड्रेस कोड लागू नहीं है, तो यह कहना कि हेडस्कार्फ की अनुमति नहीं है, एक गलत तर्क है। पाशा ने कहा कि कालेज के प्राचार्य द्वारा सिर पर स्कार्फ पहने छात्रों को कक्षाओं में प्रवेश से वंचित करना भी एक अत्यंत अनुचित कदम है।

छात्र कपड़ों पर मौजूदा नीति का कर रहे पालन

पाशा ने कहा कि विशेष रूप से, मुस्लिम समुदाय के कालेज के छात्र कालेज स्तर पर कपड़ों पर मौजूदा नीति का पालन करते हुए कक्षाओं में भाग ले रहे हैं। छात्राओं को निर्णय लेने, अपनी पसंद के मामूली कपड़े पहनने की पूरी स्वतंत्रता है। उन्होंने कहा कि हमारे द्वारा पहने जाने वाले कपड़ों के माध्यम से समानता लाना असंभव है। पाशा ने कहा कि आंतरिक पूर्वाग्रह के कारण हेडस्कार्फ़ पर विवाद पैदा करने के बजाय, मूल्य-आधारित, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के विषय में चर्चा करना आज की आवश्यकता है।

निजी अस्पतालों में कोरोना के गंभीर मरीज बढ़े, अधिकतर जगह वेंटिलेटर बेड फुल

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना के गंभीर हालत वाले मरीज तेजी से बढ़े हैं। पिछले छह दिनों में अस्पतालों में वेंटिलेटर और आईसीयू में भर्ती मरीजों की संख्या 80 फीसदी तक बढ़ी है। कुछ निजी अस्पतालों में तो सभी कोविड वेंटिलेटर बेड फुल हैं, जबकि कुछ ऐसे भी हैं, जहां अभी आधे कोविड वेंटिलेटर बेड खाली हैं। हालांकि, अस्पतालों में भर्ती अधिकतर गंभीर कोरोना मरीज दूसरी बीमारियों के चलते भर्ती हुए थे, लेकिन अस्पताल की जांच में कोरोना पीड़ित मिले। वेंटिलेटर पर छह दिनों में 131 से बढ़कर 235 हुए मरीज अस्पतालों में 10 जनवरी को कोरोना के कुल 131 वेंटिलेटर बेड भरे थे, लेकिन 16 जनवरी शाम तक इनकी संख्या बढ़कर 235 हो गई। इसी तरह कोरोना आईसीयू के 436 बेड 10 जनवरी को भरे थे, लेकिन अब उनकी संख्या बढ़कर 760 हो गई है।10 जनवरी को ऑक्सीजन के 1863 बेड भरे थे, लेकिन 16 जनवरी को इनकी संख्या बढ़कर 2561 हो गई। अधिकतर मरीज पहले से बीमार = सरकारी अस्पतालों के आईसीयू में भर्ती अधिकतर गंभीर कोरोना मरीज ऐसे हैं जो दूसरी बीमारियों से पीड़ित थे। दिल्ली के लोक नायक अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर सुरेश ने बताया कि भर्ती कोरोना के 150 मरीजों में 90 फीसदी ऐसे हैं जो किसी और बीमारी से पीड़ित थे, लेकिन जांच कराने पर रिपोर्ट पॉजिटिव मिली। इनमें 30 से अधिक तो गर्भवती महिलाएं हैं, जो डिलीवरी के लिए अस्पताल आई थीं। सर गंगाराम अस्पताल के डॉक्टर अतुल कक्कड़ ने बताया कि उनके यहां 102 कोरोना संक्रमित मरीज भर्ती हैं और इनमें लगभग 90 फीसदी दूसरी बीमारियों से पीड़ित हैं हालांकि कुछ लोगों में कोरोना के गंभीर लक्षण जैसे सांस की समस्या भी देखी गई है, लेकिन ऐसे मरीज बहुत कम हैं। इसी तरह अपोलो अस्पताल का कहना है कि उनके यहां भर्ती ज्यादातर मरीज दूसरी बीमारियों से पीड़ित हैं।

पाकिस्तान से भेजे गए 24 बमों से एक था गाजीपुर में मिला विस्फोटक, देश भर में अलर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की जांच में पता चला है कि शुक्रवार को गाजीपुर फूल बाजार से बरामद किए गए IED 24 बमों की खेप का हिस्सा था, जिसे सीमा पार से या तो जमीन के जरिए या समुद्री मार्ग से पाकिस्तानी डीप स्टेट द्वारा स्थानीय आतंकवादियों को भेजा गया था। हाल ही में जम्मू-कश्मीर और पंजाब से बरामद की गई डिवाइसेज को भी उसी खेप का हिस्सा माना जा रहा है। यह भी माना जा रहा है कि कुछ उपकरणों की तस्करी गुजरात और उत्तर प्रदेश में की गई हो सकती है।

दिल्ली पुलिस के टॉप जांचकर्ताओं के मुताबिक, गाजीपुर डिवाइस एक टिफिन बम था जिसमें तीन किलोग्राम आरडीएक्स

डिवाइसेज को भी उसी खेप का हिस्सा माना जा रहा है। यह भी माना जा रहा है कि कुछ उपकरणों की तस्करी गुजरात और उत्तर प्रदेश में की गई हो सकती है।

कोर चार्ज के रूप में और अमोनियम नाइट्रेट सेकेंडरी चार्ज के तौर पर था। डिवाइस को स्टील के टिफिन में कीलों और बॉल बेयरिंग के साथ पैक किया गया था और इसे दूर से ही उड़ाया जा सकता था।

भारत में मौजूद स्लीपर मॉड्यूल के लिए सीमा पार से तस्करी

एचटी को पता चला है कि इन आईईडी को भारत में मौजूदा स्लीपर मॉड्यूल के साथ-साथ कुछ आपराधिक गिरोहों के लिए सीमा पार से तस्करी कर लाया गया था। सितंबर 2021 में दिल्ली पुलिस ने मुंबई, लखनऊ, इलाहाबाद और दिल्ली में गिरफ्तारियों के साथ आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया, जिसे इस IED रिकवरी से जोड़ा गया है।

जांचकर्ताओं का मानना है कि आईईडी की खेप पिछले स्वतंत्रता दिवस के आसपास भारत आई थी। जबकि दिल्ली पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां खेप से अन्य आईईडी बरामद करने की कोशिश कर रही हैं। एचटी को पता चला है कि इनमें से कई आईईडी को समुद्री मार्ग से गुजरात और जमीनी रास्ते से यूपी भेजा गया है।

राष्ट्रव्यापी अलर्ट जारी किया गया

एक सीनियर सुरक्षा अधिकारी ने बताया, ऐसा मालूम होता है कि भारत में कट्टरपंथी तत्वों को सीमा पार से पूर्व-निर्धारित लक्ष्यों पर डिवाइस लगाने या काम करने के लिए स्थानीय आपराधिक तत्वों का इस्तेमाल करने का काम सौंपा जा रहा है। इसे देखते हुए एक राष्ट्रव्यापी अलर्ट जारी किया गया है ताकि आतंकी हमला टल जाए।

मायावती के 'BDM' समीकरण से बिगड़ेगा सपा का गणित, स्वामी प्रसाद मौर्य पर हमला बोलते हुए दिए संकेत

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में अब तक चुप्पी साधे रहीं मायावती 15 जनवरी को अपने बर्थडे पर सामने आईं और स्वामी पर जमकर हमला बोला। यही नहीं अपने बयान से उन्होंने साफ कर दिया कि जातियों के नाम पर गोलबंदी के बीच उनकी क्या रणनीति है। स्वामी प्रसाद मौर्य का जिक्र करते हुए मायावती ने कहा कि वह किस तरह से जहर उगल रहे हैं, आप सभी ने देखा होगा। बीएसपी चीफ ने इस दौरान आंबेडकरवाद की भी परिभाषा बताई। उन्होंने कहा, 'हम जब आंबेडकरवाद की बात करते हैं तो हमें यह समझना चाहिए कि वह किसी जाति के खिलाफ नहीं थे बल्कि जाति व्यवस्था के खिलाफ थे। वह इस बुराई को मिटाकर समतामूलक समाज के निर्माण की बात करते थे। इसलिए उच्च जातियों के जो लोग इसके खिलाफ हैं, उन्हें साथ लेकर चलना होगा। जब समाज में सद्भाव होगा, तभी तो समतामूलक समाज बन पाएगा।'

मायावती के 'BDM' समीकरण से बिगड़ेगा सपा का गणित

मायावती के इस बयान से साफ था कि वह सपा की 85 बनाम 15 की लड़ाई की बजाय सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय के अपने नारे के साथ जाने की तैयारी में हैं। उच्च बिरादरियों से सद्भाव का संदेश दे मायावती ने सीधे तौर पर सवर्ण बिरादरियों को साधने का

संकेत दिया। यही नहीं इस दौरान उन्होंने अपनी पहली लिस्ट भी जारी। इसमें मुस्लिमों और ब्राह्मणों को सबसे ज्यादा टिकट दिए गए हैं। माना जा रहा है कि वह 'BDM' गठजोड़ यानी ब्राह्मण, दलित और मुस्लिम पर आगे बढ़ रही हैं। यदि उन्हें इस समीकरण पर वोट मिलते हैं तो सपा को बड़ा झटका लग सकता है। इसकी वजह यह है कि सपा के 85 फीसदी का ही बड़ा हिस्सा मायावती के 'BDM' समीकरण में शामिल है।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने जिस तरह से अगड़े और पिछड़े का कार्ड चला है, उसे देखते हुए सपा को इसका नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। माना जा रहा है कि इससे सवर्णों के एक वर्ग जो सपा को वोट दे सकता था, वह छिटक सकता है। वहीं मायावती के टिकट वितरण और आंबेडकरवाद की नई परिभाषा उसे लुभा सकती है। यही नहीं जिन जगहों पर सपा ने मुस्लिम उम्मीदवार नहीं दिए हैं, वहां बसपा के कैंडिडेट को लाभ मिलने की स्थिति है। खासतौर पर पश्चिम यूपी में ऐसा हो सकता है। यहां तक कि सहारनपुर में इमरान मसूद और मसूद अख्तर भी हाथी की सवारी की तैयारी में हैं। यदि ये दोनों नेता बसपा में जाते हैं तो फिर सपा को सीधे तौर पर पश्चिम यूपी में मुस्लिम वोटों का नुकसान उठाना पड़ सकता है।

17 फीसदी ब्राह्मणों को मायावती ने बांटे टिकट

बता दें कि बहुजन समाज पार्टी की ओर से जारी की गई पहली लिस्ट में मुस्लिमों से लेकर ब्राह्मणों तक पूरी जगह दी गई है। पार्टी की ओर से जारी की गई सूची में करीब 17 फीसदी ब्राह्मणों को टिकट दिया गया है। इससे पहले 2007 में जब बसपा सत्ता में आई थी तो करीब 25 फीसदी ब्राह्मण उम्मीदवारों को पार्टी ने टिकट दिए थे। वह एक बार फिर से इसी फॉर्मूले पर यकीन करती दिख रही है। इस बार ब्राह्मण मतदाताओं के भाजपा से नाराजगी की खबरें भी हैं। ऐसे में नाराज मतदाताओं को साधने का प्रयास करती बसपा प्रमुख मायावती दिखती हैं। उन्होंने पहली सूची में 9 ब्राह्मण उम्मीदवारों को टिकट दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करना व कराना, सभी की जिम्मेदा

- हृदयनारायण दीक्षित

विश्व कोराना की तीसरी लहर से जूझ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी इस महामारी से जूझने के लिए कई स्तर पर बैठकें कर रहे हैं। पूरा तंत्र सक्रिय कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश में भी कोरोना की बढ़त दिखाई पड़ रही है। मुख्यमंत्री योगी जी के नेतृत्व में सभी सम्बंधित विभाग के लिए पहली व दूसरी लहर के अनुभव सहायक सिद्ध हो रहे हैं। रात्रि में 10 बजे से 06 बजे तक कर्फ्यू जारी है। सरकार और उसका तंत्र सजग है। लेकिन आमजन महामारी को लेकर सतर्क नहीं दिखाई पड़ रहे हैं। भीड़ वाले क्षेत्रों व केन्द्रों पर व्यवस्था नहीं है। भीड़ यथावत है। अपनी जिंदगी बचाने के लिए भी सतर्कता का अभाव है। भीड़ वाले केंद्रों पर कोरोना प्रोटोकॉल का अनुपालन नहीं हो रहा है। पहली व दूसरी लहर के दौरान हाथ धोना, एक-दूसरे से दो गज की भौतिक दूरी का अनुपालन बढ़ गया था। महामारी की भयावहता में बहुत लोगों ने अपने परिजन-प्रियजन खोये थे। लेकिन संप्रति तीसरी लहर के प्रकोप से स्वयं बचने और दूसरों को बचाने की प्रवृत्ति नहीं दिखाई पड़ती। हाथ मिलाने को संक्रमण की एक खास वजह माना जाता है। पहली व दूसरी लहर के दौरान लोगों ने हाथ मिलाना बंद कर दिया। लेकिन वर्तमान में कुछ लोगों में हाथ मिलाने की लत फिर से पड़ रही है। सारे लोग जानते हैं कि कोरोना का संक्रमण जानलेवा है। लेकिन आश्चर्य है कि जीवन के नष्ट हो जाने के खतरे के बावजूद लोग लापरवाही कर रहे हैं। आपदाएं कष्ट देती हैं। जीवन छीनती हैं। लेकिन तमाम अनुभव भी देती हैं। संप्रति एक नई सामाजिक व्यवस्था आकार ले रही है। पंथिक अंधविश्वासों की जगह वैज्ञानिक दृष्टिकोण की मान्यता बढ़ी है। पंथिक जलसों की भीड़ कम हो रही है। सामाजिक शिष्टाचार बदल रहे हैं। नमस्कार ने हाथ मिलाने की आधुनिक जीवनशैली को विस्थापित कर दिया है। स्वच्छता नया जीवन मूल्य हो रही है। अनावश्यक विदेश यात्राओं के लती पुनः विचार के लिए बाध्य हो रहे हैं। सब जीना चाहते हैं। लेकिन मृत्यु जीवन छीनती है। जीवन की इच्छा और मृत्यु भय से समाज व सभ्यता का विकास हुआ। आदिम मनुष्य का जीवन असुरक्षित था। सामूहिक जीवनशैली में सुरक्षा थी। उसने गुफाओं में रैन बसेरा बनाए। उसने जानवरों के शिकार और आत्म रक्षा के लिए पत्थर के हथियार बनाए। जीने की इच्छा व मृत्यु भय की छाया में आदिम समाज की जीवनशैली का विकास हुआ। आत्मरक्षा की भावना भी सभ्यता के विकास की प्रेरक थी। प्राकृतिक आपदाएं या युद्ध वीभत्स मृत्यु भय लाते हैं। व्यापक जनहानि वाली आपदाएं जीवन का दृष्टिकोण बदलती हैं। चार्ल्स डारविन प्राकृतिक इतिहास और भूगर्भ शास्त्रीय खोज में विश्व यात्रा पर थे। भूकम्प आया। वह उठे, चक्कर आया, गिरे। उन्होंने इस अनुभव का निष्कर्ष 'जरनल ऑफ रिसर्चेज' में लिखा, 'भूकम्प पुराने से पुराने भावनात्मक सम्बंधों को नष्ट करता है। अल्पकाल में असुरक्षा की ऐसी धारणा बनी जो दीर्घकाल के चिंतन से न पैदा होती।' सामने खड़ी मृत्यु जीवन दृष्टिकोण बदलती है। कोरोना का अनुभव भयावह रहा है। महामारी ने नया अनुभव दिया है। भयावह मौतों ने संसार के प्रति चिंतन का दृष्टिकोण बदल दिया है। भारत में महाभारत काल में यहां सभा जैसी लोकतंत्री संस्थाएं थीं। वे असफल हुईं। महायुद्ध हुआ। यह राष्ट्रीय आपदा थी। युधिष्ठिर जीत गए लेकिन नरसंहार ने उन्हें व्यथित किया। जीवन का दृष्टिकोण बदला। वे सत्ता सम्हालने को तैयार नहीं थे। कलिंग युद्ध के बाद अशोक का भी जीवन दृष्टिकोण बदल गया। कोरोना आपदा में भारत में अन्य देशों की तुलना में बचाव के प्रयत्न ज्यादा सफल हुए हैं। इस आपदा के प्रभाव में संपूर्ण समाज में सकारात्मक परिवर्तन आया है। सामान्यजन भी गरीबों की सहायता के लिए तत्पर रहे हैं। अब समाज अतिरिक्त संवेदनशील हो गया है। पुलिस बल महामारी के दौरान चिकित्सकों के साथ संग्राम की अग्रिम पंक्ति का सम्मानीय योद्धा बन गया है। उम्मीद है कि तीसरी लहर में भी जनसेवा शैली ऐसी ही रहेगी। कोरोना की तीसरी लहर का कहर सामने है। सारी दुनिया के राष्ट्रों व राष्ट्राध्यक्षों के लिए चुनौती है। पहली व दूसरी लहर में विकसित देश भी नागरिकों के बचाव में सफल नहीं रहे। अमेरिकी महाशक्ति भी असफल रही। कम्युनिस्ट चीन अपयश का निशाना है ही। लेकिन भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के काम की प्रशंसा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी हो रही है। वे दुनिया के संवेदनशील नेता होकर उभरे हैं। संप्रति भारतीय राज और समाज दोनों ही संवेदनशील हैं। समाज का व्यक्तित्व अतिरिक्त संवेदनशील रूप में प्रकट हुआ है। लेकिन सोशल मीडिया की आभासी दुनिया के एक वर्ग में शब्द और अपशब्द का अंतर समाप्त हो गया है। श्लील और अश्लील की विभाजन रेखा समाप्त हो गई है। आश्चर्य है कि इस महामंच पर सक्रिय के मन संयमी महामारी के साथ जीने वाली नई नहीं हैं चिंतकों को सोशल मीडिया की प्रवृत्ति के हतोत्साहन सक्रिय होना चाहिए। विश्व व्यवस्था का चिंतन जारी है। महामारी का प्रकोप कम रहा है। महामारी ने रोग निरोध का प्राचीन भारतीय प्रतीक दोहराया है। आधुनिकता तुलसी गिलोय का काढ़ा पी रहे हैं। सामाजिक परिवर्तन प्रायः जनअभियान व आन्दोलनों से होता था। महामारी ने का आत्म रूपांतरण किया है। ऐसी उपलब्धियां संजोने कालरथ गतिशील है। मृत्यु या जीवन में एक का विकल्प है। आनंदमगन जीवन के लिए नई समाज व्यव सुस्वागतम् जरूरी हैं। महाभारत के यक्ष प्रश्नों में यक्ष ने से पूछा था कि ''दुनिया का सबसे बड़ा आश्चर्य क्या आश्चर्यं?'' युधिष्ठिर ने यक्ष को उत्तर दिया कि ''दुनिया बड़ा आश्चर्य मृत्यु को जानते हुए भी इस सच्चाई को स्व करना है।'' युधिष्ठिर ने कहा था कि ''सारे लोग जान हमारी मृत्यु निश्चित है, बावजूद इसके ऐसा आचरण कर हम कभी नहीं मरेंगे।'' इसी तरह सारे लोग जानते कोरोना संक्रमण से जीवन को खतरा है लेकिन आच कर रहे हैं कि जैसे कोरोना महामारी कोई हँसी-मज सैनिटाइजेशन लगभग बंद दिखाई पड़ रहा है। भौतिक उपेक्षित है। जागरूक लोगों, वरिष्ठों और सामाजिक कार की जिम्मेदारी है कि हम सब मिलकर कोरोना प्रोटोक पालन करें और कराएँ। इसके लिए प्रभावी लोकमत क भी करें। अच्छी बात है कि लोगों में भय नहीं है लेकि रहना भय का हिस्सा नहीं है। अपने और अपने परिवार की रक्षा के लिए कोरोना शिष्टाचार का पालन स आवश्यकता है। महामारियाँ तमाम नये अनुभव देती हैं। हमेशा उपयोगी होते हैं। करणीय और अकरणीय का भे होता है। भारत ने पहली व दूसरी कोरोना लहर के दौर कुछ पाया है और बहुत कुछ खोया है। महामारी का उपयोगी है। इस महामारी ने एक नये अध्याय को जन्म समाज को महामारियों के दौरान अनुभव प्राप्त शिष्टाचार क करना होगा। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत के चिकित्स बहुत सुधार हुए हैं। पहले टीका नहीं था, अब टीका है।

प्रत्यारोपण पर बहस

ज्ञान की एक उपलब्धि लगातार सुर्खियों में है, तो ग मतलब है कि इस बार हुआ आविष्कार मील का र है। पूरी दुनिया में चर्चा जारी है कि एक इंसान में र का हृदय ठीक से काम कर रहा है। आनुवंशिक से संद्धिधत सूअर से प्रत्यारोपित हृदय प्राप्त करने पहला व्यक्ति बाल्टीमोर, मैरीलैंड में सही सलामत त्यारोपण करने वाले सर्जनों को उम्मीद है कि और ोग पशु अंग लेने आगे आएंगे। हालांकि, नैतिकता तकनीक के स्तर पर खूब बाधाएं हैं, जिन पर चर्चा है। कुछ नैतिक चिंताएं तो फिजूल हैं। जैसे यह कतई द का विषय नहीं है कि एक ऐसे व्यक्ति को हृदय या गया है, जो कभी अपराधी था। विज्ञान में अक्सर लोगों पर ही प्रयोग करना चाहिए, जिनका सामाजिक नियावी मूल्य कम हो। विज्ञान यदि अपना कोई प्रयोग ा चाहता है और कोई दागी इंसान उस प्रयोग के लिए त होता है, तो इसे नैतिक रूप से गलत नहीं मानना ए। महत्व प्रयोग और उसकी कामयाबी का है। इंसान स्वस्थ करने की ओर बढ़ने वाली कोई भी यात्रा तेक नहीं हो सकती। अंग प्रत्यारोपण अनुसंधान में वैज्ञानिकों को नैतिकता संबंधी सामान्य बंधनों से ा रखना चाहिए। दुनिया में बदलते मौसम, खान- के साथ बीमारियां भी लगातार बढ़ रही हैं, अंगों में या भी लगातार बढ़ रही है। चिकित्सा क्षेत्र में बड़ी ा में अंगों की जरूरत है। इंसानों से इंसानों को ा अंग नहीं मिल सकते, अत- यह कोशिश हो रही है ंगों के मामले में एक निकटतम जीव सूअरों को इस र से विकसित किया जाए कि उनके अंग मानव शरीर नुकूल हो जाएं। न्यूयॉर्क शहर में कोलंबिया वेद्यालय में एक सर्जन और इम्यूनोलॉजिस्ट मेगन स कहते हैं, 'इस मुकाम तक पहुंचने की राह लंबी है और यह बहुत रोमांचक है कि हम उस बिंदु पर हैं, प्रयोग को साकार कर सकते हैं।' चालीस से अधिक ं के साथ यह प्रयोग हो चुका है। इंसानों पर प्रयोग ह अब तक की सबसे बड़ी सफलता है। दुनिया भर ाकित्सक और मानव वैज्ञानिक दशकों से जानवरों के को इंसानों में प्रत्यारोपित करने के लक्ष्य का पीछा रहे हैं, जिसको जेनोट्रांसप्लांटेशन कहा जा रहा है। , भारत में एक अलग तरह की चर्चा तेज है। असम ॉक्टर धनीराम बरुआ ने 25 साल पहले 32 साल के व्यक्ति में सूअर का दिल प्रत्यारोपित किया था। कि, वह मरीज सात दिन ही जीवित रहा। इस प्रयोग लिए डॉक्टर बरुआ और उनके सहयोगी हांगकांग के न जोनाथन हो के-शिंग को चालीस दिन जेल में ा पड़ा था। क्या हृदय प्रत्यारोपण का श्रेय डॉक्टर राम को दिया जा सकता है? दरअसल, सूअर के को इंसानों के अंगों के अनुकूल बनाने के लिए चार- तरह के जेनेटिक बदलाव किए गए हैं, इन बदलावों संभव बनाने में अमेरिकी वैज्ञानिकों को दशकों लगे अतः वर्तमान प्रयोग की तुलना डॉक्टर धनीराम के ा से करना उचित नहीं है। कायदे से 25 साल पहले ॉक्टर धनीराम जैसे दुस्साहसी डॉक्टरों के साथ ा को प्रयोग तेज करना चाहिए था। यदि भारत में धान को आगे बढ़ाया गया होता, तो डॉक्टर धनीराम ाष्कार पर महज दावा नहीं कर रहे होते, साबित क दिखा चुके होते।

हंसमुख होना दीर्घायु होने का सरल साधन

देवेन्द्रराज सुथार

हास्य दैवीय गुण और प्रकृति का उपहार है। यह जीवन की एक ऐसी कला है जो परस्पर प्रेम में वृद्धि कर दूरियों को समेटती है। वस्तुतः जीवन में संतुष्टि का भाव हमें हास्य सिखाता है। अक्सर लोभ और घृणा के आवेश में हम मानवीय प्रकृति के विरुद्ध कार्य कर बैठते हैं। घृणा व्यक्ति को शैतान बना देती है, जबकि हास्य प्रेम का मार्ग प्रशस्त करता है। सुकरात तो जहर का प्याला पीते समय भी मुस्कुरा रहे थे। लार्ड बायरन ने कहा है, 'जब मौका मिले, हमेशा हंसें क्योंकि इससे सस्ती कोई दवा नहीं है।' कभी-कभी जो काम हम दूसरे से लाख सिफारिशों से नहीं करवा पाते, वो काम बस एक मुस्कुराहट कर देती है। डगलस हॉर्टन ने तो हास्य को निःशुल्क चिकित्सा बताया है। अस्पतालों में डॉक्टर और नर्स हर समय मुस्कुराते हुए चेहरे के साथ मरीज का स्वागत व इलाज करते हैं। उनकी मुस्कान रोगियों के मन में एक उम्मीद जगाती है। रवींद्रनाथ टैगोर के अनुसार, 'सच्ची मुस्कुराहट ही सौंदर्य है, जब वह एकदम सही दर्पण में अपना चेहरा देखती है।' मुस्कुराहट मधुरता, कृतज्ञता, सकारात्मकता व भावनात्मकता का संकेत है। मुस्कुराहट शीतप्रद है तथा इसमें अद्भुत आकर्षण शक्ति है। चार्ली चैपलिन ने अपने दुख को हास्य बिखेर कर दूर किया व बेशुमार कीर्ति हासिल की। विज्ञान हमें सोचना सिखाता है, लेकिन प्रेम हमें मुस्कुराहट का अहसास कराता है। हमें दुख व परेशानी में मुस्कुराहट ओझल नहीं होने देनी चाहिए, क्योंकि मुस्कुराहट ही वह चाबी है, जिससे किस्मत का ताला खुलता है। बच्चा जब पहली बार रोता है, तो मां के चेहरे पर संतोष और ममता की मुस्कुराहट आ जाती है। इसके साथ ही मुस्कुराहट का भी इंसानी जीवन में जन्म हो जाता है। मुस्कुराने की ताकत केवल इंसान में होती है, कोई जानवर मुस्कुरा नहीं सकता है। लिहाजा जीवन में हास्य रस होना काफी जरूरी है। हास्य बिना जीवन में नीरसता घुल जाती है। मानव की प्रकृति-प्रदत्त विभूतियों में एक बड़ी ही मोहक विभूति है- हास्य, विनोद। प्रसन्न मुद्रा और उल्लास प्राकृतिक सौंदर्य का अथाह समुद्र है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि यदि मुझमें विनोद का भाव न होता, तो मैंने बहुत पहले ही आत्महत्या कर ली होती। वह मानव बड़ा ही भाग्यशाली है जिसे विधाता से हास्य और विनोद का बहुमूल्य वरदान मिला है। हास्य रस सभी रसों में सबसे सरस एवं सरल है। यह मानव जीवन की आवश्यकता है। आज से ढाई दशक पूर्व जब मुंबई में लाफ्टर क्लबों की स्थापना हुई, तो वहां जाकर हंसने और ठहाके लगाने वालों को देखकर लोग पागल समझते थे, लेकिन जैसे-जैसे रोगी अपने शारीरिक और मानसिक कष्टों से छुटकारा पाकर इन क्लबों से स्वस्थ होकर लौटने लगे तब लोगों को इसके प्रति अपनी धारणा बदलनी पड़ी। जो लोग पहले हंसने वालों को पागल समझ कर उनका मजाक बनाते थे, आज स्वयं इन लाफ्टर क्लबों के सक्रिय सदस्य बनकर कष्टों से निजात पाने की कोशिश में हैं। दुनियाभर के लोगों ने इस चिकित्सा पद्धति पर अपनी दिलचस्पी और जिज्ञासा जाहिर की है और इसकी जानकारी प्राप्त करने हेतु उनके प्रतिनिधि मुंबई पहुंचकर इस पद्धति का अध्ययन कर रहे हैं। विशेष तौर पर ब्रिटेन, इटली, ऑस्ट्रेलिया, स्पेन और जापान ने इस दिशा में विशेष रुचि दिखाई है। भारत में मुंबई के अलावा कोलकाता, दिल्ली, अहमदाबाद, पटना, पुणे आदि में ये क्लब खुल चुके हैं। मुंबई में काफी साल से किशोर कुवावाला लाफ्टर क्लब चला रहे हैं। उन्होंने मंत्र दिया है- लाफ मुंबई। हंसने और मन एकरूप हो जाता है, तो हमारे विचार तुरंत बंद हैं। इससे चिंता, व्यग्रता, उदासीनता, अवसाद सब खत्म हैं। हंसने से शरीर में बायोकेमिकल प्रतिक्रिया होती है कहते हैं— हंसी-खेल में ही हरि से मिलन हो जाए, व्यथा की शान पर चढ़ना चाहेगा। भगवान तो तभी मिलते काम, क्रोध और तृष्णा को त्याग दिया जाए। सुप्रसिद्ध कवि नागूची ने भगवान से वरद कि जब जीवन के किनारे की सूख गई हो, चिड़ियों की चहक गई हो, सूर्य को ग्रहण लग गया मित्र एवं साथी मुझे कांटों में छोड़कर कहीं चले गए हों और प्र सारा क्रोध मेरे भाग्य पर बरस हो, तब हे भगवान, तुम इतनी कृ कि मेरे होंठों पर हंसी की एक खींच जाना। हंसी एक औषधि है जो मन को नीरोगी और इसके लिए कुछ खर्च भी नहीं करना पड़ता। खुल हंसने वाला व्यक्ति कभी भी हिंसक नहीं हो सकता। जब इतने लाभ हैं, तो इससे परहेज क्यों? क्यों न हम सभ बेवक्त ठहाका लगाने की आदत को अपनी दिनचर्या यौवन का नाम ही हास्य और उल्लास है। जार्ज बर्नार्ड शॉ है कि, 'हंसी की पृष्ठभूमि पर ही जवानी के फूल खि जिंदगी हास्य और विनोद के बिना अपनी जिंदादिली है।' कहा जाता है कि जिन देशों में लोग बहुत कम हंस सबसे ज्यादा ब्लड प्रेशर और हृदय रोग के पीड़ित दीर्घायु होने का सर्वोत्तम साधन है—हंसमुख स्वभाव। गया है कि जो हंसते हैं, उनके ही घर बसते हैं।

विवेक शक्ति

सुदेव

नर्क को समाप्त कर केवल स्वर्ग को नहीं रख सकता, मगर मय आनंदमय रह सकते हैं, इसलिये नहीं कि नर्क बनाने ा आप के मन में घूम नहीं रही है, बल्कि अपनी विवेक शक्ति मजबूत बनाकर। आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि नर्क आप के अंदर कभी न हो। इसके प्रति सजग रह कर आप कते हैं वरना नर्क के फैलाव की संभावना तो हर समय है ग रहने की योग्यता भी एक सीमा तक ही होती है। लेकिन सारी निर्माण सामग्री को हटा दें, जो ऐसा या वैसा करने में ो फिर ये बिल्कुल वैसा हो जाएगा कि आप किसी अंधेरे हों, जहां न नीले प्रकाश की संभावना है, न ही सफेद की। आप एक ऐसी दिशा में मुड़ गए हैं जहां प्रकाश का कोई है। प्रकाश सिर्फ उसके लिए है, जो आंख खोल कर कहीं ा है। जिसने आंखें बंद कर ली है और किसी दूसरी ही सके लिए प्रकाश से कोई फर्क नहीं पड़ता। उसके लिए तो चन है। तो असत्य से सत्य की ओर जाने का मतलब किसी री को पार करना नहीं है। यह तो एक अंडे के बाहरी खोल - अभी आप खोल के बाहर हैं। अगर आप अंदर की ओर ं हैं तो आप अंडे के साथ टक, टक, टक करने लगते हैं। गता है कि जब ये टूट जाएगा तो आप अंदर चले जाएंगे, पर बाहर आएगा पूरी बात यही है। आप यहां बैठ कर अंदर हैं। जब आप इसे तोड़ लेते हैं तो कोई अंदर नहीं जाता, रह से नई संभावना बाहर आती है। इसीलिए, योग में जो है वो सहस्त्रार है-एक हजार पंखुड़ियों वाला पुष्प, जो हा है, खिल रहा है। आप जब खोल को तोड़ते हैं तो आप ने भावना की कभी कल्पना भी नहीं की थी, वह चीज बाहर ो अगर आप इस आवरण को तोड़ना चाहते हैं तो आप कभी खुद नहीं कर पाएंगे क्योंकि आप खुद ही आवरण हैं। आप

सू-दोकू नवताल -2023

	6	8	5	9		1	4	
7								3
	1		6	3	2	8	9	
						4	8	9
		4	3	7	6	5		
2	5	1						
	7	6	8	2	9		1	
8								5
	9	3		5	4	2	6	

सू-दोकू 2022 का हल

6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	9	6	2	3	7	1	8
7	1	3	8	5	9	2	6	4
2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में

फिल्म वर्ग पहेली-2023

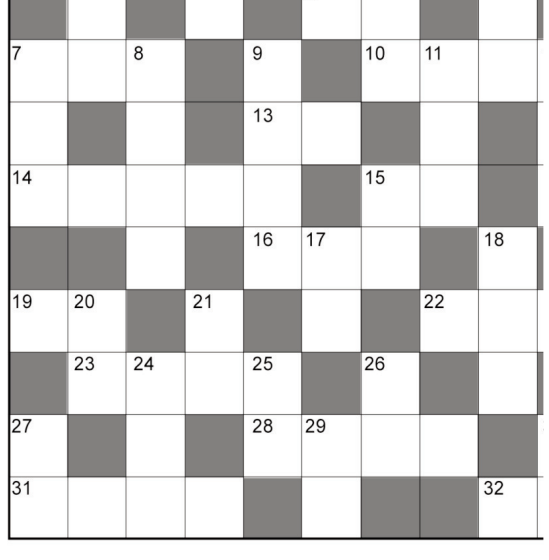

बायें से दायें:-

१. अर्जुन रामपाल, ऐश्वर्या राय की 'कितना मजबूर हो गया' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. 'सोलह बरस इंतजार कर लिया' गीत वाली मिथुन, विनीता की फिल्म-४
६. विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
७. संजय लीला भंसाली की फिल्म 'सावरिया' की नायिका-३
१०. राकेश रोशन, योगिता बाली की 'मेरे यार दिलदार' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'ऐसी हसीन चांदनी पहले कभी न थी' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा मालिनी, पूनम ढिल्लो की फिल्म-२
१४. ऋषि कपूर, नीतू सिंह की 'किसी पे दिल अगर आ जाए तो' गीत वाली फिल्म-५
१५. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२
१६. अक्षय कुमार, करीना कपूर की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-२
२२. 'परदेस जाके परदेसिया' गीत वाली फिल्म-३
२३. संजीव कुमार, विनोद मेहरा, शर्मिला टैगोर की 'जिंदगी अब तो तेरे नाम से डर लगता है' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'ढोल बजने लगा' गीत वाली अनिल कपूर, तब्बू, पूजा बत्रा की फिल्म-४
३१. अंग्रेजी फिल्म 'फॉर्च्यून कुकी' पर आधारित एक फिल्म जिसमें सुनील गावस्कर ने अभिनय किया था-४
३२. 'कहां गए ममता भरे दिन' गीत वाली सुनील शट्टी, रंभा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

२. क्रिकेट खेल पर आधारित आमिर खान, ग्रेसी सिंह की चर्चित फिल्म-३
३. 'हर तरफ तू' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा शेट्टी, करिश्मा की फिल्म-२
४. राजेंद्र कमार, सायरा बानो की 'अपने पिया की प्रेम पुजारन' गीत वाली फिल्म-३
५. 'तू मैके मत जइयो' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-३
७. 'तेरा रंग बल्ले बल्ले' गीत वाली फिल्म-३
८. 'गम का फसाना बन गया अच्छा' गीत वाली संजीव, लीना चंदावरकर की फिल्म-४
९. राजकुमार, विनोद खन्ना, वहीदा रहमान, की 'हमें
१८. 'एक गगन का राजा' गीत वाली सुनी वहीदा रहमान की फिल्म-३
२०. सोनू सूद, नेहा धूपिया की 'यार को मैं यार ने सोने ना दिया' गीत वाली फिल्म
२१. 'दिल के टुकड़े-टुकड़े करके' गीत अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गो की फिल्म-२
२४. 'काहे जादू किया मुझको इतना बता' वाली अशोक कुमार, नादिरा की फिल्म
२५. 'चौदहवीं का चांद हो' गीत के संगीत
२६. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की 'कोलबस कोल गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2022

सा	व	रि	या		ज	ब	वी	मे	ट
थी		फ्यू		ड		बी		ला	
	बा	जी	ग	र		ता	ल		ब
श	ज		द		गो		व	जू	द
म		ध	र	ती		ही		ली	ला
ब	ल	मा		न	ज	श	ना		

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीन की अर्थव्यवस्था वर्ष 2021 में 8.1 प्रतिशत की दर से बढ़ी

बीजिंग । कोरोना वायरस महामारी की चुनौतियों के बीच चीन की अर्थव्यवस्था 2021 में 8.1 प्रतिशत बढ़कर लगभग 18,000 अरब अमेरिकी डॉलर की गई। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) द्वारा सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार चीन की अर्थव्यवस्था में पिछले साल की चौथी तिमाही में चार प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो तीसरी तिमाही के मुकाबले कम है। तीसरी तिमाही में वृद्धि दर 4.9 प्रतिशत थी। सरकार ने 2021 के लिए छह प्रतिशत वृद्धि दर का लक्ष्य रखा था, हालांकि इस दौरान चीन ने 8.1 प्रतिशत की दर से वृद्धि हासिल की। चीन की एक सरकारी संवाद एजेंसी ने कहा कि ये वृद्धि महामारी से पुनरुद्धार और एक जटिल विदेश व्यापार दशाओं के बीच हासिल की गई। एनबीएस ने सोमवार को कहा कि चीन की जीडीपी वार्षिक आधार पर 8.1 फीसदी बढ़कर 1,14,370 अरब युआन (लगभग 18,000 अरब अमेरिकी डॉलर) हो गई है। एनबीएस के आंकड़ों से पता चलता है कि वृद्धि दर छह प्रतिशत के सरकारी लक्ष्य से काफी अधिक है। चीन में इससे पिछले दो साल की औसत वृद्धि दर 5.1 प्रतिशत थी।

भारत में 50 स्टार्टअप 2022 में बन सकते हैं यूनीकॉर्न

मुंबई । भारत में करीब 50 स्टार्टअप 2022 में यूनीकॉर्न बन सकते हैं, यानी उनका मूल्यांकन बढ़कर एक अरब डॉलर से अधिक हो सकता है। यह बात एक सलाहकार फर्म की रिपोर्ट के मुताबिक कही गई है। सोमवार को आई इस रिपोर्ट में कहा गया कि 2022 में एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाले स्टार्टअप की कुल संख्या 100 से अधिक हो सकती है। भारत में 2021 के दौरान सूचीबद्ध और गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के मूल्यांकन में भारी बढ़ोतरी देखने को मिली और इस दौरान यूनीकॉर्न की संख्या बढ़कर 68 हो गई। देश ने 2021 में 43 यूनीकॉर्न जोड़े। रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम में 10 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश किया गया। फर्म के एक भागीदार ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2021 में वृद्धि स्तर के सौदे तेजी से बढ़े, जो यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल करने की क्षमता रखने वाली कंपनियों के मजबूत आधार को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप के प्रति बाजार की धारणा अनुकूल है, और 2022 के ओ खिर तक यूनिकॉर्न की संख्या 100 से अधिक हो जाएगी।

किआ को मॉडल कैरेंस के लिए एक दिन में 7,738 बुकिंग मिली

नई दिल्ली । ऑटो कंपनी किआ इंडिया ने सोमवार को कहा कि उसे अपने आगामी मॉडल कैरेंस के लिए पहले दिन 7,738 बुकिंग मिली है। कंपनी ने नए मॉडल की प्री-बुकिंग 14 जनवरी को शुरू की थी और इसे 25,000 रुपए की शुरुआती राशि के साथ बुक किया जा सकता है। किआ इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ ताए-जिन पार्क ने कहा कि यह भारत में हमारे किसी भी उत्पाद के लिए पहले दिन की सबसे अधिक बुकिंग है। कैरेंस पांच अलग-अलग मॉडलों में पेश की जाएगी। इसमें प्रीमियम, प्रेस्टीज, प्रेस्टीज प्लस, लक्जरी और लक्जरी प्लस शामिल हैं। इन मॉडलों में छह और सात सीटों के साथ अलग-अलग प्रकार के पावरट्रेन इंजन का विकल्प दिया जाएगा। कंपनी के अनुसार किआ कैरेंस के सभी मॉडल सुरक्षा पैकेज के साथ आएंगे। ग्राहकों के पास 1,500 सीसी पेट्रोल, 1,400 सीसी पेट्रोल और 1,500 सीसी डीजल इंजन वाले मॉडल खरीदने का विकल्प होगा।

एसबीआई सहित अन्य बैंकों ने फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दरें बढ़ाई

मुंबई ।

देश में कोरोना वायरस महामारी के मामले बढ़ने के बावजूद से ही बैंकों ने लगातार फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दरों में कटौती की है और लोगों को अच्छे रिटर्न नहीं मिले हैं लेकिन अब भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), एचएडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक ने ने फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी का ऐलान किया है।

एसबीआई की वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार एक साल से लेकर दो साल से कम की अवधि के लिए फिक्स डिपॉजिट पर ब्याज दर 5.0 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दी गई है। इसके साथ ही वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह दर 5.50 फीसदी से बढ़ाकर 5.60 फीसदी कर दी गई है। एसबीआई ने नई दरें 15 जनवरी 2022 से ही लागू हो गई हैं। हालांकि अन्य टेन्योर वाले एफडी पर ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। एचडीएफसी बैंक ने भी फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है।

बढ़ी हुई ब्याज दरें 12 जनवरी 2022 से लागू हो गई हैं। बैंक ने चुनिंदा अवधि पर दरों में वृद्धि की है। दो साल से तीन साल में मैच्योर होने वाली एफडी अब 5.20 फीसदी का लाभ मिलेगा। तीन से पांच साल में मैच्योर होने वाली जमाओं पर अब 5.40 फीसदी और पांच से 10 साल तक की एफडी पर 5.60 फीसदी ब्याज मिलेगा।

वहीं अन्य अवधि की एफडी पर ब्याज दरें अपरिवर्तित रहेंगी। कोटक महिंद्रा बैंक ने भी विभिन्न अवधि के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दर में वृद्धि की है। 7 से 30 दिनों, 31 से 90 दिनों और 91 से 120 दिनों में परिपक्व होने वाली एफडी के लिए, कोटक महिंद्रा बैंक क्रमशः 2.5 फीसदी, 2.75 फीसदी और तीन फीसदी की ब्याज दर प्रदान करेगा। ये दरें 6 जनवरी 2022 से लागू हैं।

भारत में 50 स्टार्टअप 2022 में बन सकते हैं यूनीकॉर्न

मुंबई । भारत में करीब 50 स्टार्टअप 2022 में यूनीकॉर्न बन सकते हैं, यानी उनका मूल्यांकन बढ़कर एक अरब डॉलर से अधिक हो सकता है। यह बात एक सलाहकार फर्म की रिपोर्ट के मुताबिक कही गई है। सोमवार को आई इस रिपोर्ट में कहा गया कि 2022 में एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाले स्टार्टअप की कुल संख्या 100 से अधिक हो सकती है। भारत में 2021 के दौरान सूचीबद्ध और गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के मूल्यांकन में भारी बढ़ोतरी देखने को मिली और इस दौरान यूनीकॉर्न की संख्या बढ़कर 68 हो गई। देश ने 2021 में 43 यूनीकॉर्न जोड़े।` रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम में 10 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश किया गया। फर्म के एक भागीदार ने कहा कि` वित्तीय वर्ष 2021 में वृद्धि स्तर के सौदे तेजी से बढ़े, जो यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल करने की क्षमता रखने वाली कंपनियों के मजबूत आधार को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप के प्रति बाजार की धारणा अनुकूल है, और 2022 के ओ खिर तक यूनिकॉर्न की संख्या 100 से अधिक हो जाएगी।

सेबी की निवेशकों, विनियमित इकाइयों के लिए वैकल्पिक विवाद समाधान प्रणाली पेश करने की तैयारी

नई दिल्ली:

पूंजी बाजार नियामक सेबी निवेशकों और विनियमित संस्थाओं के बीच विवादों को हल करने के लिए एक वैकल्पिक विवाद समाधान प्रणाली शुरू करने के संबंध में परीक्षण कर रहा है। नियामक ने सोमवार को एक बयान में यह जानकारी दी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने प्रतिभूति बाजार में निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए नवंबर, 2021 में एक निवेशक चार्टर या घोषणापत्र प्रकाशित किया था। इसका मकसद बाजार में पारदर्शिता लाना तथा निवेशकों के बीच जागरूकता, भरोसा और विश्वास बढ़ाना था। सेबी ने कहा कि तब से चार्टर को लागू करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। बाजार नियामक ने संबंधित संस्थाओं के परामर्श से विभिन्न मध्यवर्तियों के लिए निवेश गतिविधियों के संबंध में अलग-अलग चार्टर तैयार किए हैं। इन चार्टर में बिचौलियों द्वारा निवेशकों को दी जाने वाली विभिन्न सेवाओं, उनकी समयसीमा, निवेशकों द्वारा प्रासंगिक दस्तावेजों के संरक्षण और निवेशक शिकायत समाधान प्रणाली आदि से संबंधित जानकारियां शामिल हैं।

वाहन, ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में उछाल से सेंसेक्स 86 अंक मजबूत

मुंबई:

यूरोपीय बाजारों के मजबूत रुझान के बीच बीएसई सेंसेक्स सोमवार को वाहन, आईटी, ऊर्जा एवं एफएमसीजी कंपनियों के शेयरों में जारी तेजी के दम पर 85 अंक की बढ़त हासिल करने में सफल रहा। काफी हद तक सीमित दायरे में रहे कारोबारी सत्र में सेंसेक्स 85.88 अंक यानी 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 61,308.91 अंक पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 52.35 अंक यानी 0.29 प्रतिशत बढ़कर 18,308.10 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में अल्ट्राटेक सीमेंट करीब तीन प्रतिशत की तेजी के साथ सर्वाधिक लाभ में रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी, टाटा स्टील, टीसीएस, एलएंडटी, एसबीआई और एचयूएल के शेयर भी लाभ में रहे। दूसरी तरफ एचसीएल टेक, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, टेक महिंद्रा, पावरग्रिड और सन फार्मा के शेयरों में 5.89 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। आनंद राठी शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स फर्म के इक्विटी

शोध प्रमुख नरेंद्र सोलंकी ने कहा, ''भारतीय बाजार एशियाई बाजारों के मिश्रित रुख के बीच थोड़े सकारात्मक स्तर पर खुले। दोपहर के सत्र में बाजारों को इससे थोड़ी मजबूती मिली कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का तीन महीने से जारी बिकवाली का रुझान हाल में बदला है। हालांकि वित्तीय, आईटी एवं स्वास्थ्य देखभाल कंपनियों के कमजोर प्रदर्शन की वजह से लाभ एक दायरे तक ही सीमित रहा।'' अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया नौ पैसे की गिरावट के साथ 74.24 रुपए प्रति डॉलर (अस्थायी) भाव पर बंद हुआ। अन्य एशियाई बाजारों की बात करें तो शंघाई और तोक्यो में बाजार बढ़त के साथ बंद हुए जबकि हांगकांग और सियोल में ये नुकसान में रहे। यूरोपीय शेयर बाजार दोपहर के सत्र में लाभ के साथ कारोबार कर रहे थे। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.26 प्रतिशत की गिरावट 85.84 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर रहा। शेयर बाजारों के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 1,598.20 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचे।

निजी सेक्टर के बैंक आईसीआईसीआई ने क्रेडिट कार्ड की फीस में की बढोतरी

मुंबई ।

देश के निजी क्षेत्र के बडे बैंक आईसीआईसीआई ने क्रेडिट कार्ड की फीस में बढोतरी का ऐलान किया है। नए साल में कई बैंक अपनी सर्विस चार्ज में बदलाव कर रहे हैं। कई बैंकों ने तो क्रेडिट कार्ड, एटीएम या इंटरनेट बैंकिंग चार्ज में बदलाव कर दिए हैं और कुछ करने जा रहे हैं। इस कड़ी में निजी सेक्टर के बड़े बैंक आईसीआईसीआई बैंक ने क्रेडिट कार्ड की फीस में बढोतरी की है। आईसीआईसीआई बैंक ने अपने क्रेडिट कार्ड्स से जुड़ी विभिन्न फीस में बढ़ोतरी का फैसला किया है। बढ़े हुए चार्ज 10 फरवरी से लागू होंगे। नए चार्ज के लिए बैंक ने अपने ग्राहकों को सूचना देनी शुरू कर दी है। बैंक ने कहा है कि आगामी 10 फरवरी, 2022 से क्रेडिट कार्ड लेट पेमेंट फीस, कैश एडवांस ट्रांजैक्शन फीस, चेक रिटर्न फीस, ऑटो डेबिट रिटर्न फीस चार्ज में इजाफा किया है। इस बारे में एक सूचना बैंक की वेबसाइट पर जारी कर दी गई है।

वेबसाइट पर मौजूद जानकारी के मुताबिक, 10 फरवरी से आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड से कैश एडवांस के मामले में ट्रांजैक्शन फीस 2.50 फीसदी रहेगी, जो मिनिमम 500 रुपये तक होगी। चेक वापसी फीस और ऑटो डेबिट रिटर्न फीस कुल अमाउंट का 2 फीसदी रहेगी जो कम से कम 500 रुपये होगी। बैंक का यह भी कहना है कि चेक रिटर्न फीस और ऑटो डेबिट रिटर्न फीस के मामले में ग्राहक के सेविंग अकाउंट से 50 रुपये और साथ जीएसटी भी काटा जाएगा। आईसीआईसीआई बैंक के इमेराल्ड क्रेडिट कार्ड को छोड़कर अन्य सभी प्रकार के क्रेडिट कार्ड के बिल का समय पर भुगतान नहीं होने पर लेट पेमेंट चार्ज इस तरह होंगे-

100 रुपये से कम भुगतान पर- शून्य चार्ज

100 से 500 रुपये तक के भुगतान पर- 500 रुपये चार्ज

500 से 5000 रुपये तक के भुगतान पर- 750 रुपये चार्ज

5000 से लेकर 10,000 रुपये के बैलेंस पर- 900 रुपये चार्ज

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने भी अपनी कुछ सर्विस के चार्ज बढ़ा दिए हैं। इनमें लॉकर चार्ज और खाते में मिनिमम बैलेंस मेंटेन न करने पर लगने वाला चार्ज भी शामिल है। ये बदलाव 15 जनवरी से किए गए हैं। पीएनबी की वेबसाइट के मुताबिक, मेट्रो क्षेत्र के ग्राहकों के लिए करंट अकाउंट में तिमाही एवरेज बैलेंस की लिमिट को

बढ़ाकर 10 हजार रुपए कर दी गई है। पहले यह सीमा 5000 रुपये थी। खाते में मिनिमम बैलेंस बरकरार न रहने पर अब ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्र के लोगों को 400 रुपये चार्ज प्रति तिमाही देना होगा। पहले यह चार्ज 200 रुपए तिमाही था।

इस साल टीसीएस करेगी एक लाख कर्मचारियों की नियुक्ति

मुंबई ।

देश की प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा प्रदाता कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) चालू वित्त वर्ष का समापन 1 लाख नए स्टूडेंटों की भर्ती के साथ करेगी, जो एक वित्त वर्ष में किसी आईटी कंपनी या बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा की जाने वाली सर्वाधिक भर्ती होंगी। टीसीएस चालू वित्त वर्ष में अब तक 77,000 फ्रेशर की नियुक्ति कर चुकी है। यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2022 के लिए पहले रखे गए 55,000 भर्तियों के लक्ष्य से कहीं ज्यादा है। पिछले वित्त वर्ष में कंपनी ने 40,000 फ्रेशर को नौकरी पर रखा था। टीसीएस के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि तीसरी तिमाही में हम 34,000 भर्तियां करेंगे। हालांकि चौथी तिमाही के आंकड़े अभी उपलब्ध नहीं है लेकिन इतना कहा जा सकता है कि भर्तियों की रफ्तार बरकरार रहेगी। चालू

वित्त वर्ष की पहली छमाही में टीसीएस ने 43,000 फ्रेशरों को नियुक्त किया था। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी ने 34,000 और फ्रेशर को अपने साथ जोड़ा, जिससे कुल भर्तियां 77,000 पहुंच गईं। विश्लेषकों का कहना है कि कंपनी में अनुभवी लोगों की नियुक्तियां भी पिछली कुछ तिमाहियों की तुलना में ज्यादा रही हैं। एक विश्लेषक ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया कि हमारे अनुमान के अनुसार तीसरी तिमाही में टीसीएस ने 20,000 अनुभवी पेशेवरों को नियुक्त किया है और चौथी तिमाही में यह आंकड़ा 30,000 रह सकता है। अगर टीसीएस चौथी तिमाही में अतिरिक्त 30,000 फ्रेशर भर्ती नहीं भी करती है तो चालू वित्त वर्ष में कुल नियुक्तियां एक लाख से ज्यादा होंगी।

मोबाइल फोन के पुर्जों पर कर बढ़ाने से उत्पाद प्रतिस्पर्धी नहीं रहेंगः आईसीईए

नई दिल्ली ।

मोबाइल फोन विनिर्माण में इस्तेमाल होने वाले पुर्जो पर आयात शुल्क घटाने की मांग करते हुए उद्योग संगठन आईसीईए ने कहा कि पुर्जों पर कर बढ़ाने से पीएलआई योजना के तहत भारत में बनने वाले उत्पाद वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी नहीं रहेंगे। उद्योग संगठन इंडिया सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स ऐसोसिएशन (आईसीईए) ने अनुरोध किया है कि आगामी बजट में माल एवं सेवा कर को वर्तमान के 18 फीसदी से घटाकर 12 फीसदी किया जाए क्योंकि कर घरेलू बाजार एवं विनिर्माताओं की वृद्धि के लिए अवरोधक है। आईसीईए के चेयरमैन पंकज महिंद्रो ने इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को पत्र लिखकर कहा है कि उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, जनवरी 2020 से पहले भारत में जारी विनिर्माण के लिए चीन और वियतनाम जैसे देशों की तुलना में आंशिक लागत कमी को पूरा करने के लिए प्रोत्साहन राशि देती है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2020-21 और 2021-22 के आम बजट में कर ढांचे में बदलाव के बाद लागत अक्षमता और बढ़ गई। सैमसंग और एप्पल के अनुबंधित विनिर्माता पीएलआई योजना के तहत सबसे बड़े निवेशक हैं। सरकार को उम्मीद है कि इस योजना के तहत 10.5 लाख करोड़ रुपए के मोबाइल फोन का विनिर्माण किया जाए। आईसीईए ने कहा कि मार्च 2020 में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) को 12 फीसदी से बढ़ाकर 18 फीसदी किया गया, इस वृद्धि को वापस लेना चाहिए क्योंकि इससे डिजिटल इंडिया अभियान की रफ्तार कम हो रही है और विनिर्माताओं की वृद्धि प्रभावित हो रही है।

चालू वित्त वर्ष में अस्पताल श्रृंखलाओं की कमाई में जबर्दस्त उछाल की उम्मीद

मुंबई:

कोरोना वायरस की तीसरी लहर के बीच सर्जरी पर असर पड़ा है और साथ ही बड़ी संख्या में चिकित्सा कर्मी संक्रमण से प्रभावित हो रहे हैं। इसके बावजूद चालू वित्त वर्ष में अस्पताल श्रृंखलाओं की आय और मार्जिन में जबर्दस्त उछाल आने की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी इक्रा की रिपोर्ट के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में बड़ी संख्या में अस्पतालों श्रृंखलाओं ने आमदनी में 85 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जिससे परिचालन मार्जिन में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस वृद्धि के साथ अस्पतालों को तीसरी तिमाही में मजबूत वृद्धि की उम्मीद है। हालांकि, चौथी तिमाही में कुछ झटके लग सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि कोरोना वायरस महामारी के नए मामलों की संख्या में लगातार वृद्धि के साथ देशभर के अस्पतालों में वैकल्पिक सर्जरी प्रभावित हुई है। इसके अलावा बड़ी संख्या में स्वास्थ कर्मचारियों के भी कोरोना वायरस से संक्रमित होने से भी कुछ हद तक स्वास्थ सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। महामारी की वजह से अस्पतालों में आने वाले मरीजों की संख्या पर भी असर पड़ा है। रिपोर्ट में कहा गया कि अस्पतालों ने दूसरी तिमाही के दौरान कमरों की मांग और वैकल्पिक प्रक्रियाओं में वृद्धि से मजबूत प्रदर्शन किया।

एग्रीटेक देहात ने कृषि लागत स्टार्टअप हेलीक्रॉफ्टर का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली ।

एग्रीटेक फर्म देहात ने सोमवार को कहा कि उसने महाराष्ट्र और पश्चिम भारत के अन्य हिस्सों में अपनी उपस्थिति में बढोतरी करने के लिए कृषि लागत स्टार्टअप हेलीक्रॉफ्टर का अधिग्रहण किया है। कंपनी ने इसका सौदा` कितने में तय` किया है इसका अभी खुलासा नहीं किया। यह वर्ष 2012 में शुरू हुआ तथा गुरुग्राम (हरियाणा) और पटना (बिहार) में स्थित देहात एक प्रौद्योगिकी आधारित मंच है, जो किसानों को हर तरह की कृषि सेवाएं उपलब्ध कराता है। इसकी स्थापना आइआइटी, आईआईएम और एनआईटी के पूर्व छात्र अमरेंद्र सिंह, श्याम सुंदर, आदर्श श्रीवास्तव और शशांक कुमार ने की। देहात के सीईओ शशांक कुमार ने कहा कि हेलीक्रॉफ्टर के एकीकरण के साथ पूरे महाराष्ट्र में कंपनी का विस्तार होगा। देहात ने कहा कि वह इस समय बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश और राजस्थान में सात लाख से अधिक किसानों को सेवा प्रदान करता है। वर्ष 2020 में सिद्धार्थ चौधरी द्वारा स्थापित हेलीक्रॉफ्टर ने 50 करोड़ रुपए से अधिक का वार्षिक राजस्व हासिल किया है।

DeHaat®
Seeds to Market

हर हाल में जीत चाहते थे विराट: प्रसाद

नई दिल्ली । चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष एमएस के प्रसाद ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली की जमकर तारीफ की है। प्रसाद ने कहा कि विराट हर हाल में जीत चाहते थे और इसके लिए वह जोखिम लेने से भी पीछे नहीं हटते थे। उन्होंने कहा कि साल 2014 में कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने के बाद से ही कोहली ने टेस्ट प्रारूप में भारतीय टीम के खेलने का तरीका ही बदल दिया। कोहली ने तय किया कि भारतीय टीम हर तरह के हालातों में जीत दर्ज करने वाली टीम बने। कोहली की इस टीम को विदेशों में नियमित रूप से टेस्ट मैचों में जीत दिलाने में तेज गेंदबाजों की भी भूमिका अहम रही। मोहम्मद शमी, इशांत शर्मा, उमेश यादव और जसप्रीत बुमराह जैसे गेंदबाज उनके नेतृत्व में बेहतर हुए और भारत के सर्वकालिक गेंदबाजी आक्रमण में तब्दील हो गए। प्रसाद ने कहा कि विराट ने सभी प्रारूपों में भारत की सफलता में भूमिका निभाई है। प्रसाद ने कहा कि पहली बात तो मुझे लगता है कि उन्होंने टीम में जीत की संस्कृति बनाई, विशेषकर विदेशों में जीत की। उन्होंने पांच गेंदबाजों की 'थ्योरी% और फिटनेस संस्कृति शुरू की। प्रसाद को लगता है कि अभी उनके अंदर तीन-चार साल की कप्तानी बची थी। उन्होंने कहा कि वह टीम में आक्रामकता लेकर आए।

आयरलैंड ने वेस्टइंडीज को तीसरे एकदिवसीय में हराकर 2-1 से सीरीज जीती

किंगस्टन ।

आयरलैंड ने तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज को दो विकेट से हराकर 2-1 से सीरीज जीत ली है। आईसीसी के किसी पूर्णकालिक सदस्य के खिलाफ आयरलैंड की किसी एकदिवसीय सीरीज में यह दूसरी जीत है। इससे पहले उसने साल 2019 में अपनी धरती पर जिम्बाब्वे को हराया था। इस मैच में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 45 ओवर में 212 रन बनाये। शाई होप ने सबसे ज्यादा 53 रन बनाये जबकि जेसन होल्डर ने 44 रनों का योगदान दिया। वहीं आयरलैंड की ओर से एंडी मैकब्रायन ने सबसे ज्यादा चार जबकि क्रेग यंग ने तीन विकेट लिए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को आयरलैंड ने 45 ओवर में आठ विकेट पर 214 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसेन पहली ही गेंद पर विलियम पोर्टरफील्ड का विकेट खो दिया। इसके बाद भी उसके बल्लेबाजों ने हिम्मत नहीं हारी और डटे रहे।

टीम के कप्तानी संभाल रहे पॉल स्टर्लिंग ने 44 रन बनाए। वहीं इसके बाद एंडी मैकब्रायन ने सबसे ज्यादा 59 रन बनाये। वहीं हैरी टेक्टर ने तेज से बल्लेबाजी करते हुए 76 गेंद में 52 रनों का योगदान दिया। दूसरी ओर वेस्टइंडीज के अकील हुसैन ने तीन गेंद में लगातार दो विकेट लेकर मैच का रुख पलटने का प्रयास किया पर यंग ने चौका लगाकर आयरलैंड को जीत दिला दी।

ऑस्ट्रेलिया से बाहर किये जाने के बाद दुबई पहुंचे जोकोविच

दुबई ।

सर्बिया के टेनिस स्टार और विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच कोरोना टीकाकरण नहीं होने के कारण ऑस्ट्रेलिया से बाहर किये जाने के बाद अब दुबई पहुंच गये हैं। जोकोविच सोमवार की सुबह अमीरात के विमान से वह 13 तेरह घंटे की उड़ान के बाद मेलबर्न से दुबई पहुंचे। अभी यह पता नहीं चल सका है कि वह यहां से कहां जायेंगे। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की एक अदालत ने सरकार के उन्हें देश से निर्वासित करने के आदेश को बरकरार रखा। इसके साथ ही उनके तीन साल तक ऑस्ट्रेलिया में प्रवेश को भी प्रतिबंधित कर दिया गया है। फेडरल कोर्ट के तीन जजों ने जनहित के आधार पर जोकोविच का गत शुक्रवार को दोबारा वीजा रद्द करने के आव्रजन मंत्री के फैसले का समर्थन किया। इसके बाद वह दुबई रवाना हुए क्योंकि दुबई में यात्रियों के लिये टीकाकरण अनिवार्य नहीं है, हालांकि उन्हें आगे की उड़ान भरने से पहले नेगेटिव आरटी पीसीआर रिपोर्ट दिखानी होगी। जोकोविच का वीजा ऑस्ट्रेलिया में दो बार रद्द हो गया, क्योंकि कोरोना टीकाकरण के कड़े नियमों में मेडिकल आधार पर राहत के लिये जरूरी मानदंडों पर वह सही नहीं पाये गये।आव्रजन मंत्री ने इस आधार पर वीजा रद्द किया था कि ऑस्ट्रेलिया में जोकोविच की उपस्थिति देश की जनता के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकती है। इससे पहले जोकोविच ने पहली बार वीजा रद्द होने के मामले में ऑस्ट्रेलिया सरकार के खिलाफ केस जीत लिया था पर दूसरी बार वह कोर्ट में हार गये।

हैदराबाद एफसी के खिलाफ जमशेदपुर एफसी का आईएसएल मैच इस कारण स्थगित

बम्बोलिम। हैदराबाद एफसी के खिलाफ जमशेदपुर एफसी का इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) मैच सोमवार को यहां शुरू होने से कुछ घंटे पहले स्थगित कर दिया गया था क्योंकि खिलाड़ियों के कोविड-19 संक्रमित होने के कारण झारखंड का यह क्लब टीम को मैदान में उतारने में विफल रहा था। आईएसएल ने कहा कि इस मैच को बाद की तारीख में फिर से आयोजित किया जाएगा। आईएसएल से जारी बयान के मुताबिक, 'इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) हैदराबाद एफसी और जमशेदपुर एफसी के बीच खेले जाने वाले मैच संख्या 63 के स्थगित होने की घोषणा करता है जिसे आज (सोमवार, 17 जनवरी, 2022) बम्बोलिम के एथलेटिक स्टेडियम, में खेला जाना था।% उन्होंने कहा, 'जमशेदपुर एफसी की टीम को मैदान में उतारने की असमर्थता को ध्यान में रखते हुए लीग ने चिकित्सा दल के परामर्श से यह निर्णय लिया। लीग इस मैच को बाद की तारीख में आयोजित करना चाहेगी।' मौजूदा सत्र में इससे पहले विभिन्न टीमों के तीन और मैच स्थगित हो चुके हैं।

नडाल और ओसाका की ऑस्ट्रेलियाई ओपन में जीत से शुरुआत

मेलबर्न ।

स्पेन के टेनिस स्टार राफेल नडाल ओर नाओमी ओसाका सोमवार से यहां शुरू हुए ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस में जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। नडाल ने पुरुष एकल में अमेरिका के मार्कोस गिरोन को 6-1, 6-4, 6- 2 से हराया। वहीं महिला वर्ग में ओसाका ने कामिला ओसोरियो को 6-3, 6-3 से हराया। ओसाका ने पिछले साल यहां जीतने के बाद फ्रेंच ओपन 2021 से दूसरे दौर के मैच के बाद नाम वापिस ले लिया था और विम्बलडन भी नहीं खेली जबकि पांचवीं वरीयता प्राप्त मारिया सक्कारी ने ततयाना मारिया को 6-4, 7 -6 से हराया। बेलिंडा बेंचिच ने क्रिस्टीना म्लादेनोविच को 6 - 4, 6-3 से पराजित किया। पुरुष एकल में नडाल के पास इस बार सर्बिया के नोवाक जोकोविच और स्विटजरलैंड के रोजर फेडरर से आगे निकलने का अवसर है। कोरोनो टीकाकरण नहीं होने के कारण जोकोविच को ऑस्ट्रेलियाई ओपन से बाहर कर दिया गया है। वहीं फेडरर सर्जरी के कारण इसमें भाग नहीं ले रहे है। नडाल ने जोकोविच, नडाल और फेडरर के बराबर 20 ग्रैंडस्लैम जीते हैं ओर फेडरर घुटने की सर्जरी के कारण नहीं खेल रहे हैं, जबकि जोकोविच को कोरोना का टीका नहीं लगाने के बाद ऑस्ट्रेलिया से बाहर कर दिया गया है। ऐसे में नडाल के पास जोकोविच और फेडरर से आगे निकलने का मौका है। नडाल की नजरें ओपन युग में चारों ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले जोकोविच के बाद दूसरे खिलाड़ी बनने पर लगी है। जोकोविच ने साल 2021 में फ्रेंच ओपन जीतने के बाद यह कमाल किया था। ऑस्ट्रेलिया के रॉय एमर्सन और रॉड लावेर हर ग्रैंडस्लैम दो या अधिक बार जीत चुके हैं। नडाल ने पिछली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन 2009 में जीता था।

संक्षिप्त समाचार

भारत-द अफ्रीका टेस्ट सीरीज जैसा रोमांच एशेज में नहीं दिखा : इयान चैपल

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल के अनुसार भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच हुई टेस्ट श्रृंखला में जिस प्रकार का रोमांच देखने को मिला, वैसा एशेज सीरीज में देखने में नहीं आया। एशेज सीरीज के दौरान मुकाबले एकतरफा रहे और मेजबान टीम ने सीरीज 4-0 से अपने नाम की। वहीं भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच हुई सीरीज में भारतीय टीम ने पहला मैच जीता जबकि दूसरे और तीसरे टेस्ट को जीतकर मेजबान दक्षिण अफ्रीकी टीम ने 2-1 से शानदार वापसी करते हुए सीरीज जीती। दिग्गज बल्लेबाज रहे चैपल ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका को पहले टेस्ट में करारी हार मिली थी पर इसके बाद भी उसने बचे हुए दो टेस्ट मैचों में संघर्ष कर परिणाम बदल दिया। इस सीरीज में जिस प्रकार की भावनाएं थी, वैसी एशेज मुकाबलों के दौरान नजर नहीं आ रहीं थीं। चैपल के अनुसार दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला में गेंदबाज हावी रहे पर इसके बाद भी कुछ बल्लेबाजों ने अच्छी बल्लेबाजी की। कुल मिलाकर देखा जाये तो दोनो ही टीमों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और कहीं पर भी मुकाबले आसान नहीं रहे। दोनो ही टीमें पूरी श्रृंखला में एक दूसरे को कड़ी टक्कर देती नजर आयीं जबकि एशेज सीरीज पूरी तरह से नीरस रही जहां मेजबान टीम का गेंदबाजी और बल्लेबाजी में दबदबा बना रहा।

(हांगकांग) शीतकालीन ओलंपिक खेलों से पहले चीन में ओमिक्रोन का मामला सामने आया

हांगकांग । चीन में अगले माह होने वाले शीतकालीन ओलंपिक खेलों से पहले संक्रमण के मामले बढ़ते जा रहे हैं। अब यहां कोरोना के नये संस्करण ओमिक्रोन का मामला सामने आया है। इस वायरस के संक्रमित व्यक्ति शहर के हेदियान के उत्तरी पश्चिमी जिले में मिला है। इस घटना से परेशान आयोजन समिति के एक अधिकारी ने कहा कि इस व्यक्ति को गुरूवार को लक्षण दिखायी दिये और शुक्रवार को कोविड-19 की जांच करायी गयी है राहत की बात यह है कि वह बीजिंग नहीं गया था। संक्रमण का यह मामला खेलों के शुरू होने से तीन हफ्ते से भी कम समय पहले आया है जिससे इन खेलों के सुरक्षित आयोजन पर सवाल उठने लगे हैं। इन खेलों का उद्घाटन चार फरवरी को होगा। चीन में अभी तक कई शहरों में ओमिक्रोन संक्रमण की खबरें आयी हैं हालांकि शीतकालीन ओलंपिक के कारण बीजिंग में इसको लेकर सावधानी बरती जा रही है।

विराट को किसी युवा क्रिकेटर की कप्तानी में खेलने में समस्या नहीं आनी चाहिये : कपिल

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव के अनुसार है विराट कोहली एक परिपक्व खिलाड़ी हैं ओर उन्हें किसी जूनियर खिलाड़ी की कप्तानी में खेलने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। कपिल ने कहा कि सुनील गावसकर ने मेरी कप्तानी में खेली और मैं भी के श्रीकांत और मोहम्मद अजहरुद्दीन की कप्तानी में खेला। मुझे किसी की कप्तानी में खेलने में कोई समस्या नहीं थी और मुझे लगता है कि विराट भी अहंकार को पीछे छोड़ किसी युवा क्रिकेटर की कप्तानी में खुले मन से खेलेंगे। इससे उनको अपनी बल्लेबाजी पर पूरा ध्यान देने का समय मिलेगा। साथ ही कहा कि कोहली ने काफी सोच विचारकर ही टेस्ट टीम की कप्तानी से इस्तीफा दिया होगा। कपिल ने कहा , % मैं विराट के फैसले का स्वागत करता हूं। टी20 टीम की कप्तानी छोड़ने के बाद से ही वह परेशानी में थे। वर्तमान समय में उन्हें तनाव और दबाव महसूस करते हुए देखा गया। उनके पास दबावमुक्त होकर खेलने के लिए कप्तानी को छोड़ना ही एकमात्र रास्ता था। इसलिए हमें इस फैसले में उनका साथ देना चाहिये।% वहीं टीम इंडिया के नए टेस्ट टीम के कप्तान बनने की दौड़ में चार खिलाड़ियों का नाम सामने आ रहा है हालांकि सबसे पक्की दावेदारी सीमित ओवरों की टीम के कप्तान रोहित शर्मा की है। रोहित ने हाल ही में टी20 और एकदिवसीय टीम की कमान संभाली थी। वहीं अन्य दावेदारों में लोकेश राहुल, आर अश्विन और ऋषभ पंत के नाम भी शामिल हैं।

रोहित बनेंगे टेस्ट कप्तान, श्रीलंका दौरे से संभालेंगे कमान

मुम्बई।

विराट कोहली के टेस्ट टीम की कप्तानी से इस्तीफे के बाद अब रोहित शर्मा को इस प्रारुप की भी कप्तानी मिलना तय माना जा रहा है। रोहित को पहले ही टी20 और एकदिवसीय के लिए कप्तान बनाया गया था। यह भी कहा जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद कप्तान के तौर पर रोहित के नाम की आधिकारिक घोषणा करेगा। इससे पहले टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम का मिली हार के बाद विराट ने कप्तानी छोड़ दी थी। एक बीसीसीआई अधिकारी ने कहा, %इसमें कोई भी संदेश नहीं है कि रोहित को ही भारत का नया टेस्ट कप्तान बनाया जाएगा। रोहित को दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले टेस्ट टीम का उप-कप्तान बनाया गया था, तो उन्हें कप्तान बनाना तय है। यह घोषणा शीघ्र ही कर दी जाएगी। यह सही है कि रोहित पर बहुत ज्यादा काम का बोझ होगा इसलिए उनको स्वयं को बहुत ज्यादा फिट रखना होगा। मुझे लगता है कि चयनकर्ताओं ने उनसे बात की होगी। उन्हें अपनी फिटनेस पर अतिरिक्त मेहनत करनी होगी।% श्रीलंका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज से रोहित टेस्ट कप्तान के तौर पर अपना काम शुरु करेंगे। इसके साथ ही बीसीसीआई युवा लोकेश राहुल और ऋषभ पंत को भविष्य के लिए तैयार करना चाहिता है हालांकि अभी यह तय नहीं हुआ है कि है किसे उप-कप्तान बनाया जाएगा। एक बीसीसीआई अधिकारी ने कहा, %जो उप-कप्तान होगा, वह टीम इंडिया का भविष्य का नेता होगा।%

इक्वेटोरियल गिनी ने अल्जीरिया को हराया

दुआला । अल्जीरिया की टीम अफ्रीकी नेशंस कप फुटबॉल में हार गयी है। इक्वेटोरियल गिनी ने गत चैम्पियन अल्जीरिया को 1-0 से हराकर बड़ा उलटफेर किया है। गिनी की ओर से एस्टेबान ओगियांग ने 70वें मिनट में मैच का एकमात्र गोल किया। इसके साथ ही अल्जीरिया का चार साल का विजय अभियान भी समाप्त हो गया है। पहले मैच में सियरा लियोन से ड्रॉ खेलने वाली अल्जीरिया टीम ग्रुप ई में सबसे नीचे है। अब उसे अंतिम मैच में पूर्व चैम्पियन आइवरी कोस्ट से खेलना है। वहीं अन्य मैचों में सियरा लियोन ने आइवरी कोस्ट को 2-2 से ड्रॉ पर रोका जबकि जांबिया का मुकाबला माली से 1-1 से बराबरी पर रहा। ट्यूनीशिया ने एक अन्य मैच में मौरिटानिया को 4-0 से हराया ।

एशिया कप में अच्छे प्रदर्शन से लय बनेगी : महिला हॉकी उपकप्तान

मस्कट :

भारतीय महिला हॉकी टीम की उपकप्तान दीप ग्रेस इक्का ने कहा है कि आगामी एशिया कप से 2022 के व्यस्त सत्र के लिए टीम की लय बनेगी चूंकि इस साल एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंट होने हैं। यहां 21 से 28 जनवरी तक होने वाले एशिया कप के जरिए भारतीय टीम एफआईएच महिला विश्व कप में जगह बनाने की कोशिश करेगी। भारत को पहले मैच में 21 जनवरी को मलेशिया से खेलना है। यह टूर्नामेंट जीतने पर स्पेन और नीदरलैंडमें इस साल होने वाले विश्व कप में सीधे प्रवेश मिलेगा। इक्का ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी बयान में कहा, 'इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन जरूरी है ताकि 2022 की चुनौतियों के लिये लय मिल सके। इस साल अनेक टूर्नामेंट होने हैं और हम जितना ज्यादा खेलेंगे, उतना ही खुद को आंकने का मौका मिलेगा।' भारत के अलावा चीन, इंडोनेशिया, जापान, मलेशिया, सिंगापुर, इडोनेशिया, जापान, मलेशिया, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया और थाईलैंड भी इसमें खेल रहे हैं। इक्का ने कहा, 'हमारे लिए यह नई शुरूआत है। यह टोक्यो ओलंपिक के बाद हमारा पहला पूरा टूर्नामेंट होगा चूंकि कोरिया में महिला एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में हम एक ही मैच खेल सके थे।' भारत ने 2017 महिला एशिया कप जीतकर 2018 विश्व कप के लिये क्वालीफाई किया था। भारतीय टीम ने 2018 एशिया कप में भी रजत पदक जीता था।

बीसीसीआई ने कोहली को विदाई मैच खेलने का प्रस्ताव दिया था

नई दिल्ली । भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान पद से अचानक ही इस्तीफा देकर विराट कोहली ने सभी को हैरान किया है जबकि विराट कप्तान के तौर पर अपने 100वें टेस्ट से एक मैच ही दूर थे। विराट के पास अगले माह श्रीलंका के खिलाफ होने वाली सीरीज में 100वां टेस्ट खेलने का अवसर था। एक रिपोर्ट के अनुसार जब विराट ने कप्तानी छोड़ने की बात भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को बतायी तब एक अधिकारी ने उनसे कप्तान के रूप में विदाई मैच बेंगलुरू में खेलने का प्रस्ताव दिया था पर विराट ने इंकार कर दिया। विराट ने कहा कि एक मैच से कोई फर्क नहीं पड़ता। कोहली ने अपनी कप्तानी का समापन हार के साथ किया। भारतीय टीम अगले महीने श्रीलंका की मेजबानी करेगी। श्रीलंकाई टीम भारत दौरे पर 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। सीरीज का पहला टेस्ट बेंगलुरू में खेला जाएगा जो कोहली का 100वां टेस्ट मैच होगा। गौरतलब है कि इससे पहले महेंद्र सिंह धोनी ने भी साल 2014 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मेलबर्न टेस्ट ड्रॉ के बाद कप्तानी छोड़ने की घोषणा कर दी थी उस समय धोनी ने 90 टेस्ट मैच खेले। कोहली ने जब टेस्ट कप्तानी छोड़ने का ऐलान किया तो उन्होंने खासतौर पर धोनी को भी धन्यवाद कहा, जिन्होंने उनमें बतौर कप्तान विश्वास जताया। विराट के लिए गत दो साल अच्छे नहीं गुजरे हैं जहां उनकी बल्लेबाजी पहले जैसी नहीं रही और वह एक शतक तक नहीं लगा पाये। वहीं वह भारतीय टीम को जीत दिलाने में भी सफल नहीं रहे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में भारतीय टीम को मिली हार के बाद उनपर दबाव बढ़ता जा रहा था और उनके पास कोई और विकल्प नहीं बचा था।

ठंडे मौसम का गर्म फैशन

"विंटर में आप मोनोक्रोम ड्रेसेस (सिंगल कलर की ड्रेस) या मिक्स एण्ड मैच दोनों तरह की ड्रेसिंग स्टाइल को ट्राय कर सकते हैं। मिनी स्कर्ट के साथ लैगिंग्स का कॉम्बिनेशन लुक में लाजवाब होता है। लैगिंग्स के फेब्रिक में चैंज चाहने वाले फैशन प्रेमी ऊनी लैगिंग्स भी ट्राय कर सकते हैं।

ठंड ने न केवल दस्तक दे दी है बल्कि यह अपना असर भी दिखाने लगी है। फैशन के लिहाज से यह मौसम युवाओं के लिए अनुकूल होता है। और इसमें में भी यदि बात वूलन फैशन की हो तो क्या कहने। लेदर के साथ ही युवाओं में वूलन के प्रति क्रेज बना हुआ है। प्रस्तुत हैं वूलन फैशन को लेकर कुछ उपयोगी जानकारियां:-

वूलन में देखिए फील गुड फैक्टर

➢ वूलन बहुत ही ड्यूरेबल होते हैं। इनमें इतने कलर्स और डिफरंट पैटर्न की डिजाइन उपलब्ध हैं कि इन्हें ट्राई कर आप अपना एक बहुत ही सॉफ्ट, हॉट और स्टाइलिश फैशन स्टेटमेंट बना सकते हैं। चाहे मफलर हो, स्वेटर हो या फिर कैप ही क्यों न हो ये खूबसूरत लगते हैं।

इसलिए अपने रंग के अनुसार कलर चुनें और अपनी सुविधा का सबसे ज्यादा खयाल रखें। यानी फैशन का अंधानुकरण न करें। जो आप पर फबे, जचे और सुविधाजनक लगे वही फैशन अपनाएं।

➢ आप स्वेटर खरीदें या मफलर ये जरूर देख लें कि फेब्रिक की कम्पोजिशन क्या है। लेबल देखें। सही साइज देखें और सुनिश्चित कर लें कि यह आपके लिए सूटेबल है।

➢ यह ध्यान से देखें कि आप जो खरीद रहे हैं वह वेल मेड है कि नहीं। टॉप स्टीचिंग इवन होने चाहिए। लाइनिंग में पिकरिंग न हो। और किसी भी तरह का कोई लूज थ्रेड न हो। इन बातों का खास खयाल रखें।

➢ आप जिस फेब्रिक को खरीद रहें, क्या वह पहनने और चलने के बाद नाइसली फ्लो हो रहा है? क्या फेब्रिक का वेट आपको ठीक लग रहा है?

➢ ध्यान रखें कि आपने जो भी चीज खरीदी है वह आपकी बॉडी अगेंस्ट फील गुड करा रही है या नहीं। वह चुभने वाली या गड़ने वाली न हो।

स्कर्ट के साथ शार्ट जैकेट की बजाय थ्री फोर्थ या लांग जैकेट पहनें। लांग जैकेट को आप साड़ी सूट, शर्ट आदि के साथ भी पहन सकते हैं। शॉल की बजाय स्टोल लुक व उपयोग दोनों के लिहाज से बेहतर माने जाते हैं।

इस सीजन में दो डिफरेंट रंगों के कॉम्बिनेशन को ट्राय करें। अर्दी शेड वाली ड्रेस पर ब्राइट कलर का फंकी जैकेट या स्कार्फ ट्राय करें।

एक्सपर्ट व्यू

विंटर में जंपर्स का कोई विकल्प नहीं है। कूल और कंफर्टेबल जंपर्स को आप कोट के साथ भी पहन सकते हैं। ब्लैक कोट का फैशन इस बार भी विंटर में इन रहेगा। ब्लैक कोट के साथ आप ऑरेंज, रेड और ग्रीन कलर का स्कार्फ या मफलर ट्राय कर ट्रेंडी लुक पा सकते हैं। फेब्रिक में शिमर के साथ ही मैटल और प्लास्टिक शाइन वाले फेब्रिक्स को ट्राय किया जा सकता है। पोल्का डॉट्स, अलग-अलग नेक पैटर्न्स वाले फर और फेदर के जैकेट, एनिमल प्रिंट्स आदि की डिमांड इस सीजन में खूब रहेगी।

इक बंगला बने न्यारा...

नए घर का निर्माण, वास्तु के अनुसार

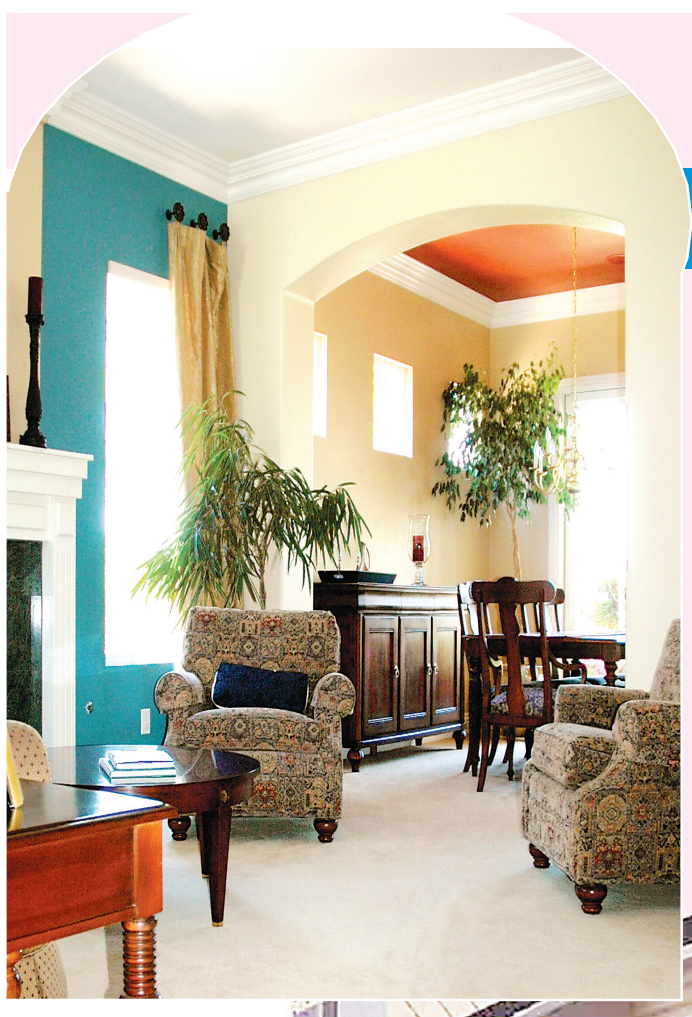

➢ भूखंड पर किसी भी प्रकार का जल संसाधन लगवाना हो तो इसके लिए सदैव (हैण्डपम्प, कुंआ, जेटपम्प आदि के लिए) उत्तर-पूर्व दिशा अर्थात ईशान कोण ही सही रहता है।
➢ भवन में खिड़कियां तथा रोशनदानों के निर्माण का प्रमुख उद्देश्य घर में शुद्ध वायु का आगमन है।
➢ खिड़कियां तथा रोशन दानों का निर्माण सदैव दरवाजे के पास ही करें।
➢ दरवाजे के सामने या बराबर में खिड़कियां होने से चुंबकीय चक्र पूर्ण हो जाता है, जिससे भवन में सुख-शांति का वास होता है।
➢ खिड़की तथा रोशनदानों के निर्माण के लिए पूर्व, पश्चिम तथा उत्तर दिशा श्रेष्ठ एक शुभ फलदायक होती है।
➢ वायु प्रदूषण से बचाव के लिए घरों में शुद्ध वायु जिन दिशाओं से प्रवेश करे उनके विपरीत दिशाओं में एक्जॉस्ट फैन लगवाएं।
➢ भवन के उस भाग में जहां दो दीवारें मिलती हैं, खिड़कियां तथा रोशनदानों का निर्माण वहां न करवाएं। यह अशुभकारी निर्माण होता है।
➢ जब कोई व्यक्ति मुख्यद्वार में प्रवेश करता है तो मुख्य द्वार से निकलने वाली चुम्बकीय तरंगें उसकी बुद्धि को प्रभावित करती हैं।
➢ द्वार का भी सही दिशा में बनवाना आवश्यक है।
➢ प्रवेश द्वार सदैव अंदर की ओर खुलना चाहिए।
➢ प्रवेश द्वार दो पल्लों में हो तो बहुत ही उत्तम है।
➢ द्वार स्वतः ही खुलना व बंद होना नहीं चाहिए।

जायकेदार बादाम-पिस्ते का हलवा

समग्री:- 100 ग्राम बादाम गिरी, 100 ग्राम पिस्ता, 150 ग्राम सूखी मलाई, 125 ग्राम मावा, 300 ग्राम शक्कर, 3-4 केसर लच्छे, हरी इलायची पावडर आधा चम्मच, 1 बड़ा चम्मच गुलाब जल, 125 ग्राम देशी घी।

विधि:- सर्वप्रथम मावे को दबा कर छलनी से मोटा-मोटा छान लें और मलाई की पतली स्ट्रिप्स काट लें। हलवा बनाने से 6-8 घंटे पूर्व बादाम पानी में भिगो दें।

तत्पश्चात बादाम के छिलके उतार कर मिक्सी में पीस लें। अब पिस्ता भी रवेदार पीस लें। कड़ाही में घी गरम कर बादाम को पानी सूख जाने तक भूनें। फिर पिस्ता डालकर तब तक सेकें, जब तक सिंकने की खुशबू न आए। अब इसमें मावा मिलाएं और थोड़ी देर और सेंक लें। मलाई डालकर 5 मिनट सेंकें। जब सिंकने की खुशबू आने लगे तब आंच से उतारें और केसर-इलायची व गुलाब जल मिला दें। शक्कर की 2 तार की चाशनी बना लें, इसमें मिश्रण डालें और गरमा-गरम मेवे का हलवा पेश करें।

पौष्टिक बादाम मिल्क

सामग्री:- एक लीटर गाढ़ा दूध, 25 भीगे हुए बादाम, 100 चम्मच चीनी, आधा चम्मच इलायची पावडर, केसर कुछेक लच्छे।

विधि:- रात को भिगोए हुए बादाम का छिलका निकाल कर उसे मिक्सी में महीन पीस लें। एक कटोरी में थोड़ी मात्रा में दूध लेकर उसमें केसर भिगो दें। दूध को थोड़ी देर तक उबालें, फिर उसमें बादाम का पेस्ट मिलाइए। दूध को धीरे-धीरे हिलाते रहें ताकि वो तले पर चिपके नहीं। बादामयुक्त दूध को 20-25 मिनट तक पकाएं, फिर शक्कर डालें और थोडी देर तक पकाएं। अब इलायची और केसर घोल मिलाएं। गिलासों में भरकर बादाम का पौष्टिक दूध पेश करें। प्रचुर मात्रा में आयरन और कैल्शियम वाला यह दूध आपके शरीर के लिए फायदेमंद है।

सार समाचार

अबु धाबी में ड्रोन से हुए हमले में 2 भारतीय समेत 3 की मौत, हूती विद्रोहियों ने ली जिम्मेदारी

अबू धावी। संयुक्त अरब अमीरात के अबु धावी में नेशनल ऑयल कंपनी के तीन ट्रैकरों को हूथी विद्रोहियों ने निशाना बनाया। जिसमें 2 भारतीयों समेत 3 लोगों की मौत हो गई। जबकि 6 अन्य जख्मी बताए जा रहे हैं। इस हमले की वजह से अबु धावी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट को नुकसान भी पहुंचा है। आपको बता दें कि हूथी विद्रोहियों ने ड्रोन हमले की जिम्मेदारी ली है।

2 भारतीय समेत 3 की हुई मौत

इस मामले में विदेश मंत्रालय की तरफ से कोई बयान सामने नहीं आया है। लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स में 3 लोगों के मारे जाने की खबरें हैं। जिनमें 2 भारतीय और एक पाकिस्तानी बताया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक अबु धाबी औद्योगिक क्षेत्र में विस्फोट हुआ और एयरपोर्ट पर भी आग लगी। इसी बीच यमन के हूथी विद्रोहियों ने संयुक्त अरब अमीरात में हमला करने का दावा किया है। यूएई और यमन के बीच 2015 से संघर्ष चल रहा है। हूती के सैन्य प्रवक्ता याहिया सरेई ने कहा कि उनके समूह ने यूएई में अंदर तक हमला किया है।

पुलिस का बयान आया सामने

इस हमले में पुलिस ने संभवतः ड्रोन हमले का जिक्र किया है। लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स में ड्रोन हमले की ही बात की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में छोटी-छोटी उड़ने वाली वस्तुओं के गिरने का पता चला है, जो संभवतः ड्रोन से संबंधित हो सकती हैं। इनसे विस्फोट और आग की घटना को अंजाम दिया गया हो सकता है।

अबू धाबी में टैंकर विस्फोट के पीछे ड्रोन हमला हो सकता है: पुलिस

दुबई। अबू धाबी में तेल के तीन टैंकरों में ड्रोनों की मदद से विस्फोट किये गये हो सकते हैं और संभवतः इसकी वजह से सोमवार को संयुक्त अरब अमीरात के मुख्य हवाई अड्डे के एक विस्तार पटल पर आग लगने की घटना सामने आई। पुलिस ने एक बयान में यह बात कही। अबू धाबी पुलिस ने हवाई अड्डे पर लगी आगको ह्यमामूलीह्न बताया और कहा कि यह आग शहर के मुख्य विमानपत्तन के एक विस्तार पटल पर लगी, जो निमार्णाधीन है। बयान में अबू धाबी की सरकारी स्वामित्व वाली तेल कंपनी एडीएनओसी के एक भंडारण केंद्र के पास तीन पेट्रोलियम टैंकरों में विस्फोट की एक अलग घटना की भी जानकारी दी गयी। अबू धाबी पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच मेंछोटी-छोटी उड़ने वाली वस्तुओं के दोनों इलाकों में गिरने का पता चला है, जो संभवतः ड्रोन से संबंधित हो सकती हैं। इनसे विस्फोट और आग की घटना को अंजाम दिया गया हो सकता है। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। पुलिस ने इससे ज्यादा जानकारी नहीं दी। इस बीच, यमन के हूती विद्रोहियों ने संयुक्त अरब अमीरात में हमला करने का दावा किया है। यूएई और यमन के बीच 2015 से संघर्ष चल रहा है। हूती के सैन्य प्रवक्ता याहिया सरेई ने कहा कि उनके समूह ने यूएई में अंदर तक हमला किया है। सरेई ने ज्यादा जानकारी नहीं देते हुए कहा कि जल्द ही एक बयान जारी किया जाएगा।

आर्थिक स्थिति से जूझ रही अफगानिस्तान की नेपाल ने की मदद,सौंपी 14 टन राहत सामग्री

काठमांडू। नेपाल ने रविवार को अफगानिस्तान की मदद के लिए करीब 14 टन मानवीय सहायता वहां कार्य कर रहे संयुक्त राष्ट्र के प्रतिनिधियों को सौंपी। नेपाल के आधुनिक इतिहास में यह पहली बार है जब उसने किसी दूसरे देश को मदद भेजी है। विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव सेवा लामसाल के नेतृत्व में टीम काबुल गई और वहां पर खाद्य सामग्री के अलावा 14 टन राहत सामग्री सौंपी। मंत्रालय ने बताया कि विदेश मंत्री मंत्री नारायण खडका ने सद्भावना पहल के तहतइस प्रयास का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा, 'आर्थिक संकट और कठोर मौसम का सामना कर रहे अफगानिस्तान के लिए मानवीय सहायता और अफगानिस्तान के लोगों के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय का समर्थन आवश्यक हो गया है।' यहां त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बातचीत में खडका ने कहा कि नेपाल के आधुनिक इतिहास में यह पहली बार है जब सरकार ने दूसरे देश को अपने स्तर पर मानवीय सहायता पहुंचाई है। उल्लेखनीय है कि नेपाल की इस पहल में कन्फेडरेशन ऑफ नेपालीज इंडस्ट्रीज, फेडरेशन ऑफ नेपलीज चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंस्ट्री, नेपाल चेम्बर ऑफ कॉमर्स, अग्रवाल सेवा केंद्र, हिमालय एयरलाइन सहित निजी निकायों, संगठनों और लोगों ने मदद की है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने भी अफगानिस्तान की मानवीय सहायता के लिए 1.2 अरब डॉलर देने का वादा किया है। वहीं, संयुक्त राष्ट्र ने देश में सुचारु मानवीय सहायता सुनिश्चित करने के लिए तालिबान को प्रक्रिया में शामिल करने के महत्व को रेखांकित किया है। गौरतलब है कि पिछले साल अगस्त में अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद से देश की आर्थिक स्थिति खराब हो गई है।

ब्रिटिश पुलिस ने टेक्सास उपासना स्थल गतिरोध मामले में दो नाबालिगों को हिरासत में लिया

कोलीविले (अमेरिका)। इंग्लैंड में पुलिस ने रविवार को कहा कि उन्होंने अमेरिका के टेक्सास में एक उपासना स्थल में 10 घंटे तक चले गतिरोध के दौरान एक सशस्त्र ब्रिटिश नागरिक द्वारा चार लोगों को बंधक बनाकर रखने के मामले में दो किशोरों को हिरासत में लिया है। ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस ने संदिग्धों के नाम और उन्हें आरोपों का सामना करना होगा या नहीं, इस बारे में जानकारी नहीं दी। उन्होंने संदिग्धों की पहचान नाबालिगों के तौर पर की है, जिन्हें पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। डालास के संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) की प्रवक्ता केटी चाउमोंट ने सभी सवाल मैनचेस्टर में पुलिस से करने को कहा। गौरतलब है कि अमेरिका के टेक्सास में यहूदियों के एक पूजा स्थल में बंधक बनाए गए चार लोगों को कई घंटे के गतिरोध के बाद शनिवार रात रिहा करा लिया गया था। इस दौरान सुरक्षाबलों की गोलीबारी में मारे गए संदिग्ध की पहचान ब्रितानी नागरिक मलिक फैसल अकरम (44) के रूप में हुई थी।

पाकिस्तान के कराची में कोरोना विस्फोट, संक्रमण दर पहुंचा 40 प्रतिशत पहुंचा

इस्लामाबाद । कोरोना वायरस दुनिया के कोने-कोने में अपना पैर पसार रहा है। पूरी दुनिया महामारी की एक नई लहर की मार झेल रही है। वहीं पाकिस्तान में कोरोना से बुरा हाल है। देश के कराची में कोविड-19 का संक्रमण दर रविवार को 40 प्रतिशत तक पहुंच गया। देश की चिकित्सा बिरादरी पर बुरा असर पड़ रहा है। लोकल मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, बताया गया कि हाल में बढ़े कोविड-19 के मामलों को पांचवीं लहर का कारण माना जा रहा है, वहीं इसके साथ ही कयास लग रहे हैं कि, जिस तरह से वायरस के नए मामलों में बढ़ोतरी हो रही है उसके चलते मार्च के मध्य में वायरस अपने चरम पर पहुंचेगा। बता दें कि पाकिस्तान वायरस के मामलों की संख्या रिकार्ड कर रहा था, तब उस देश में वायरस के बढ़ते मामलों का पता चला।

नीदरलैंड में डच सरकार के कोरोना वायरस संक्रमण के खिलाफ लगाये गये लॉकडाउन का विरोध करते हुए लोग, इस दौरान एक महिला टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच के समर्थन में एक बैनर उठाये हुए।

अंतरराष्ट्रीय भिखारी पीएम इमरान खान पाकिस्तान को कर रहा कंगाल

इस्लामाबाद। जमात-ए-इस्लामी (जेआई) के प्रमुख सिराजुल-हक ने इमरान खान को अंतरराष्ट्रीय भिखारी करार देकर कहा कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री का जाना ही आर्थिक संकट से जूझ रहे देश की सभी समस्याओं का हल है। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने देश में नए सिरे से चुनाव कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि इमरान और पाकिस्तान एक साथ काम नहीं कर सकते। इस देश में राजनीति से फायदे या नुकसान के लिए कोई जगह नहीं बची है, क्योंकि इमरान का जाना ही सभी समस्याओं का समाधान होगा।' अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ पाकिस्तान के विवादास्पद सौदे पर सिराजुल हक ने कहा कि पाक पीएम अंतरराष्ट्रीय भिखारी बन गए हैं।उन्होंने कहा कि पीटीआई के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार देश पर शासन करने में असमर्थ है। दरअसल, पाकिस्तान इन दिनों भारी वित्तीय समस्याओं का सामना कर रहा है, जिसके बीच यह तीखी आलोचना सामने आई है। इस बीच, विपक्ष ने अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की शर्तों को पूरा करने के लिए फाइनेंस (सप्लीमेंट्री) बिल 2021 और स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (संशोधन) विधेयक 2021 को पारित करने से इनकार किया है। सप्लीमेंट्री फाइनेंस बिल की मंजूरी पाकिस्तान की 6 अरब अमेरिकी डॉलर की विस्तारित फंड सुविधा (ईएफएफ) की छठी समीक्षा के लिए जरूरी थी। जेआई प्रमुख ने कहा कि सत्तारूढ़ सरकार दावा करती थी कि वह अर्थव्यवस्था की चैंपियन थी, लेकिन कुछ भी नहीं बदला है। यह केवल नई मशीनरी में पुराने पार्ट्स का इस्तेमाल कर रही है। पिछले हफ्ते पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो-जरदारी ने इमरान खान को इस सदी का संकट करार देते हुए कहा था कि यह सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है।

सेना प्रमुख नरवणे के बयान से बौखलाया चीन, सीडीएस रावत का जिक्र कर कही ये बात

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारतीय सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे द्वारा सेना दिवस के मौके पर दिए गए बयान से चीन बौखला गया है। चीन के सरकारी भोंपू ने भारत के खिलाफ जमकर बयानबाजी की है। सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने शनिवार को कहा कि भारतीय सेना का संदेश साफ है कि वह देश की सीमा पर यथास्थिति में एकतरफा बदलाव की किसी कोशिश को कामयाब नहीं होने देगी। ग्लोबल टाइम्स ने कहा कि नरवणे की बयानबाजी बुधवार को आयोजित चीन-भारत कोर कमांडर स्तर की बैठक के 14वें दौर के दौरान दिए गए सकारात्मक संकेतों के अनुरूप नहीं है। तीन महीने पहले 13वें दौर की तुलना में, जिसमें भारत ने अनुचित और अवास्तविक मांगों पर जोर दिया, 14वें दौर का माहौल अपेक्षाकृत अच्छा था। दोनों पक्ष सीमा मुद्दे पर जल्द से जल्द समाधान की दिशा में काम करने और जमीन पर सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के लिए प्रभावी उपाय करने पर सहमत हुए।

आर्मी चीफ नरवणे ने क्या कहा था?

सेना दिवस पर पूर्वी लद्दाख गतिरोध की ओर इशारा करते हुए, जनरल नरवणे ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में रखने के लिए भारत और चीन में सैन्य स्तर की 14वें दौर की वार्ता हाल में हुई। उन्होंने कहा कि विभिन्न स्तरों पर संयुक्त प्रयासों से कई इलाकों में सैनिकों के पीछे हटने का काम पूरा हुआ जो अपने आप में एक रचनात्मक कदम है। जनरल नरवणे ने कहा, हमारा धैर्य हमारे आत्मविश्वास की निशानी है, लेकिन किसी को भी इसे परखने की गलती नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमारा संदेश साफ है, भारतीय सेना देश की सीमा पर यथास्थिति बदलने की एकतरफा कोशिश सफल नहीं होने देगी।

सीडीएस रावत का किया जिक्र

ग्लोबल टाइम्स ने लिखा कि जनरल नरवणे ने भारतीय सेना के अंदर प्रचलित चीन विरोधी बातों को दोहराया है। उदाहरण के लिए, दिवंगत चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत ने चीन को भारत के लिए ₹सबसे बड़ा सुरक्षा खतरा₹ करार दिया था। उनकी टिप्पणी दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को लेकर चीन और मोदी सरकार के बीच बनी आम सहमति के खिलाफ गई। दिसंबर में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में रावत की मृत्यु के बाद नरवणे ने चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष के रूप में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की कुछ जिम्मेदारियां संभाली हैं। एक नए अध्यक्ष के रूप में, उन्होंने अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए रावत के चीन विरोधी रुख को जारी रखा।

वैक्सीन नहीं तो रेस्तरां और होटल में नहीं होगी एंट्री, ओमीक्रोन के केस बढ़ने के बाद लिया यह फैसला

पेरिस। (एजेंसी)

फ्रांस की संसद ने रविवार को एक कानून को मंजूरी दी जिसमें टीकाकरण नहीं करवाने वाले लोगों के रेस्तरां, खेल स्टेडियमों और ऐसे हीअन्य स्थानों में प्रवेश पर पाबंदी होगी। ऐसा बेहद संक्रामक ओमीक्रोन स्वरूप के कारण रिकॉर्ड संख्या में दर्ज किए जा रहे संक्रमण के मामलों के बीच अस्पतालों को सुरक्षित रखने के सरकार के प्रयासों के तहत किया गया है।

नेशनल असेंबली ने विधेयक के पक्ष में 215 मत डालकर कानून को स्वीकार किया। मध्यमार्गी राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने विधेयक को तेजी से पारित कराने की कोशिश की थी लेकिन दक्षिणपंथी और वामपंथी सांसदों के विरोध के चलते और सैकड़ों प्रस्तावित संशोधनों के कारण से इसमें थोड़ी देरी हुई। फ्रांस के 91 प्रतिशत वयस्कों का टीकाकरण पहले से पूरा हो चुका है, और कुछ आलोचकों ने सवाल किया है कि क्या 'वैक्सीन पास' से बहुत फर्क पड़ेगा। मैक्रों की सरकार उम्मीद कर रही है कि नई पास व्यवस्था, लॉकडाउन लगाए बिना देश भर में पहले से बोझ तले दबे अस्पतालों को भरने वाले रोगियों की संख्या को सीमित करने के लिए पर्याप्त होगी।

पाकिस्तानः पीएआई पायलट की अजीब सनक, बीच यात्रा में फ्लाइट उड़ाने से किया इनकार

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) से यात्रा करने वाले मुसिफिरों को एक पायलट की अजब सनक का शिकार होना पड़ा। पीआईए पायलट ने बीच सफर में प्लेन उड़ाने से इनकार कर दिया। दरअसल, शिफ्ट खत्म होने का हवाला देते हुए पायलट ने बीच यात्रा में ही प्लेन उड़ाने से इनकार कर दिया। इसके बाद प्लेन में सवार यात्री भड़क गए। उन्होंने विरोध में कहा कि वो विमान से नहीं उतरेंगे। कैप्टन ने तब प्लेन को इस्लामाबाद ले जाने से इनकार कर दिया और कहा कि उसकी ड्यूटी का समय समाप्त हो गया है। स्थिति को नियंत्रण में करने के लिए एयरपोर्ट सिक्योरिटी बुलानी पड़ी। पाकिस्तान के एक अखबार के मुताबिक, पीआईए प्रशासन ने बताया कि पीके-9754 ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद से उड़ान भरी, लेकिन खराब मौसम के कारण दम्मम में उतर गया। फ्लाइट के कप्तान ने तब विमान को इस्लामाबाद ले जाने से इनकार कर दिया और कहा कि उसकी ड्यूटी का समय समाप्त हो गया है। पीआईए के प्रवक्ता ने कहा कि फ्लाइट की सुरक्षा के लिए उड़ान भरने से पहले पायलटों के लिए उचित आराम करना आवश्यक है, इसलिए इसी हिसाब से व्यवस्था की गई थी। उन्होंने कहा कि यात्री रविवार रात 11 बजे इस्लामाबाद उतर जाएंगे। इससे पहले पीआईए की तरफ से सऊदी अरब के लिए डायरेक्ट विमान की सेवा विस्तृत नहीं थी। नवंबर में, पीआईए ने घोषणा की थी कि वो सऊदी अरब के लिए अपनी फ्लाइट का विस्तार कर रहा है। प्रवक्ता के अनुसार, पीआईए की उड़ानें इस्लामाबाद, कराची, लाहौर, मुल्तान और पेशावर समेत पाकिस्तान के विभिन्न शहरों से रवाना होंगी।

चीन की जनसंख्या में 2021 में पांच लाख से भी कम बढ़ी, जन्म दर लगातार पांचवे साल घटी

बीजिंग। (एजेंसी)

चीन की जनसंख्या पिछले साल के अंत तक 1.4126 अरब रही यानी कुल आबादी में पांच लाख से भी कम की वृद्धि हुई क्योंकि जन्म दर लगातार पांचवें साल घटी। ये आंकड़े विश्व की सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के ऊपर मंडराते जनसांख्यिकी खतरे और उसके चलते होने वाले आर्थिक खतरे को लेकर भय पैदा करते हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) ने कहा कि 2021 के अंत तक, चीन के मुख्य भूभाग में आबादी 2020 की 1.4120 अरब से बढ़कर 1.4126 अरब रही। एनबीएस के आंकड़ों के मुताबिक चीन की जनसंख्या 2020 की तुलना में एक साल में 4,80,000 बढ़ी।

हांगकांग से संचालित ह्यसाउथ चाइना मॉर्निंग पोस्टह्न ने खबर दी है कि 2021 में 1.06 करोड़ बच्चों ने जन्म लिया जो 2020 के 1.20 करोड़ के मुकाबले कम था। इस महीने की शुरूआत में, हेनान प्रांत ने सूचना दी कि वहां नवजात शिशुओं की संख्या 2020 में गिरकर 9,20,000 रही जो 2019 की तुलना में 23.3 प्रतिशत की गिरावट थी। वहां जन्म दर प्रति 1,000 लोगों पर घटकर 9.24 रह गई थी। हेनान चीन का तीसरा सबसे ज्यादा आबादी वाला प्रशासनिक क्षेत्र है। अखबार ने खबर दी है कि विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि चीन में जल्द ही जनसंख्यिकी मोड़ आ सकता है जो इसकी बढ़ती आर्थिक वृद्धि के लिए खतरा साबित हो सकता है। ऐसी स्थिति में, कार्यबल में लोगों और आश्रित व्यक्तियों (पेंशन और अन्य लाभों के साथ सेवानिवृत्त) के अनुपात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, जिससे अर्थव्यवस्था पर दबाव पड़ सकता है। चीनी प्रांतों ने जन्म दर में भारी गिरावट को रोकने के मकसद से दंपतियों को तीन बच्चे पैदा करने के प्रति प्रेरित करने के लिए कई सहायक उपायों की घोषणा करना शुरू कर दिया है। सरकारी समाचार एजेंसी ह्यशिन्हुआह्न ने इससे पहले खबर दी थी कि बीजिंग, सिचुआन और जियांगशी प्रांतों ने कई सहायक उपाय शुरू किए जिनमें माता-पिता को अधिक छुट्टी देना, मातृत्व अवकाश, विवाह के लिए छुट्टी और पितृत्व अवकाश बढ़ाना शामिल है। चीन ने 2016 में सभी दंपतियों को दो बच्चे पैदा करने की अनुमति दे दी थी। इसने दशकों पुरानी एक बच्चे की नीति को खत्म कर दिया, जिसे नीति निमार्ता वर्तमान जनसांख्यिकीय संकट के लिए दोषी मानते हैं।

उत्तर कोरिया ने एक नहीं 2 मिसाइलें समुद्र में दागीं, जापान के लिए बढ़ा खतरा

सियोल। (एजेंसी)

दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि अमेरिका के साथ ठप पड़े कूटनीति संबंधों और वैश्विक महामारी के मद्देनजर सीमा बंद होने के बीच अपनी सेना की ताकत प्रदर्शित करने के एकमात्र लक्ष्य के साथ उत्तर कोरिया ने सोमवार को दो संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइलें समुद्र में दागीं। इस महीने उसके द्वारा किया गया यह चौथा प्रक्षेपण है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि उत्तर कोरिया ने दो कम दूरी वाली बैलिस्टिक मिसाइलें सुनान में एक स्थान से दागीं, लेकिन मिसाइल कितनी दूर जाकर गिरी इसकी तत्काल कोई जानकारी नहीं दी। सुनान में प्योंगयांग का अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है। अमेरिकी हिंद-प्रशांत कमान ने कहा कि मिसाइलों ने अमेरिकी कर्मियों, क्षेत्र या उसके सहयोगियों के लिए तत्काल कोई खतरा उत्पन्न नहीं किया, लेकिन उत्तर कोरिया के 'अवैध' हथियार कार्यक्रम के अस्थिर प्रभाव को रेखांकित किया है। जापान के रक्षा मंत्री नोबुओ किशी ने कहा कि मिसाइलें जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर गिरीं।

वहीं, मुख्य कैबिनेट सचिव हिरोकाजु मात्सुनो ने इसे शांति के लिए खतरा बताते हुए उत्तर कोरिया के इन कृत्यों की निंदा की। दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति मून जे-इन ने अधिकारियों को कोरियाई प्रायद्वीप पर 'स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए अत्यधिक प्रयास' करने का निर्देश दिया। संयुक्त अरब अमीरात के दौर पर गए इन के कार्यालय ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति इन की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने प्योंगयांग के साथ परमाणु कूटनीति को बहाल करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। यह प्रक्षेपण उत्तर कोरिया द्वारा पांच जनवरी और 11 जनवरी को एक कथित हाइपरसोनिक मिसाइल के उड़ान परीक्षण और शुक्रवार को एक ट्रेन से बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किए जाने के बाद किया गया। इसे पिछले सप्ताह अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन द्वारा उसके निरंतर प्रक्षेपण के खिलाफ लगाए नए प्रतिबंधों का एक स्पष्ट प्रतिशोध माना जा सकता है। उत्तर कोरिया ने हाल के महीनों में क्षेत्र में कई नई मिसाइलों का परीक्षण किया है।

कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन रियायतें पाने के लिए बातचीत से पहले अपने पड़ोसियों तथा अमेरिका पर मिसाइल प्रक्षेपण और अन्य खतरों के माध्यम से दबाव डालने की कोशिश कर रहे हैं। उत्तर कोरिया के ताजा मिसाइल परीक्षणों के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन ने पिछले सप्ताह एशियाई देश के पांच अधिकारियों पर कई प्रतिबंध लगा दिए थे। वहीं, उत्तर कोरिया ने इस कार्रवाई के बाद प्रशासन पर निशाना साधते हुए चेतावनी दी थी कि अगर अमेरिका अपने 'टकराव वाले रुख' पर कायम रहता है, तो उसके खिलाफ कड़ी एवं स्पष्ट कार्रवाई की जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

तृणमूल कांग्रेस में सबकुछ ठीक नहीं! ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के बीच मनमुटाव, पोस्टर से गायब सीएम का चेहरा

नयी दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने ममता बनर्जी के भतीजे और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की उनकी टिप्पणी पर आलोचना की, जहां उन्होंने कहा कि बढ़ते कोविड -19 मामलों के मद्देनजर सभी राजनीतिक कार्यक्रमों और धार्मिक उत्सवों को रोक दिया जाना चाहिए। कल्याण ने कहा कि ममता की नीतियां पार्टी और पश्चिम बंगाल में अंतिम शब्द हैं। ममता बनर्जी से ज्यादा जनता क्या चाहती है, यह कौन समझेगा? पार्टी की नीतियां ममता बनर्जी तय करती हैं, राज्य की नीतियां ममता बनर्जी तय करती हैं। कल्याण बनर्जी ने कहा, प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कोई ऐसा काम नहीं करना चाहिए, जिसमें ममता के हस्ताक्षर न हों। दोनों तरफ से चल रही जुबानी जंग से ये आसानी से देखा जा सकता है कि तृणमूल कांग्रेस के अंदर ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के सुर एक जैसे नहीं जान पड़ते हैं। दोनों के बीच बढ़ता विवाद अब स्पष्ट रूप से दिखायी देने लगा है। ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक के बीच चौतरफा जंग छिड़ी हुई है। डायमंड हार्बर में पोस्टरों से गायब ममता बनर्जी की तस्वीरें, इस ओर साफ इशारा कर रही हैं। यकीनन टीएमसी में ममता बनर्जी सबसे बड़ी नेता हैं। ऐसे में उनका चेहरा पोस्टरों में शामिल न होने से काफी पार्टी के अंदर मनमुटाव की अटकलों को हवा मिल गयी है। इस बारे में कुछ पोस्टरों को बीजेपी नेता अमित मालवीय ने ट्वीट किया और पार्टी के अंदर चल रही खींचतान की जानकारी दी।

बिरजू महाराज के निधन पर राष्ट्रपति कोविंद, प्रधानमंत्री मोदी, सहित कई नेताओं ने जताया दुख

माधुरी दीक्षित, हेमा मालिनी ने जताया शोक

मुंबई । पारंपरिक भारतीय नृत्य शैली कथक को विश्व पटल पर लेने वाले प्रख्यात नर्तक बिरजू महाराज के निधन पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई नेताओं और फिल्म जगत की हस्तियों ने शोक व्यक्त कर कथक के एक युग का अंत बताया। बिरजू महाराज का 84 साल में सोमवार तड़के नई दिल्ली स्थित अपने घर पर निधन हो गया। उनकी पोती रागिनी महाराज ने बताया कि अंतिम समय बिरजू महाराज के आस-पास परिवार के लोग तथा उनके शिष्य मौजूद थे।

वह रात के भोजन के बाद अंताक्षरी खेल रहे थे, जब महाराज को अचानक कुछ परेशानी होने लगी। हम उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए, लेकिन हम उन्हें बचा नहीं पाए। भारत के प्रख्यात कलाकारों में से एक, कथक नर्तक गुर्दे की बीमारी से पीड़ित थे और 'डायलिसिस' पर थे। उनकी पोती ने बताया कि संभवतः महाराज की मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि बिरजू महाराज का निधन एक युग की समाप्ति को चिह्नित करता है। कोविंद ने ट्वीट किया, दिग्गज पंडित बिरजू महाराज का निधन एक युग के अंत का प्रतीक है। इसने भारतीय संगीत एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में खालीपन ला दिया है। वह एक प्रतीक बन गए थे, जिन्होंने कथक को विश्व स्तर पर लोकप्रिय बनाने के लिए अतुलनीय योगदान दिया। उनके परिवार एवं प्रशंसकों के प्रति संवेदनाएं।'

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने कहा कि बिरजू महाराज के निधन से प्रदर्शन कला जगत को भारी क्षति हुई है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कथक नर्तक बिरजू महाराज के निधन पर शोक जताकर कहा कि उनका जाना संपूर्ण कला जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट किया कि भारतीय शास्त्रीय नृत्य के क्षेत्र में कथक महारती का योगदान अतुलनीय है, और इसके लिए उन्हें याद किया जाएगा।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने ट्वीट किया, महान कथक नर्तक पंडित बिरजू महाराज के निधन की खबर सुनकर बहुत दुखी हूं। वह कला के महान साधक थे, जो अपने पीछे बड़ी विरासत छोड़ गए हैं। उनका जाना देश और कला क्षेत्र के लिए बड़ी क्षति है। अभिनेत्री माधुरी दीक्षित ने कहा कि वह एक दिग्गज थे, लेकिन उमसें एक बच्चे जैसी मासूमियत थी।' दीक्षित ने बिरजू से प्रशिक्षण लिया था और उनके मार्गदर्शन में फिल्म 'देवदास' गीत 'काहे छेड़े मोहे' पर नृत्य किया था।

भाजपा विधायक नितेश राणे को अग्रिम जमानत देने से इनकार

मुंबई । बंबई उच्च न्यायालय ने सोमवार को सिंधुदुर्ग जिले में पुलिस द्वारा दर्ज हत्या के प्रयास के मामले में भाजपा विधायक नितेश राणे को अग्रिम जमानत देने से इनकार किया। न्यायमूर्ति सी वी भडांग की एकल पीठ ने केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के बेटे नितेश की अग्रिम जमानत याचिका खारिज की। लेकिन मामले के एक अन्य आरोपी मनीष दलवी की याचिका को स्वीकार की। नितेश के वकील नितिन प्रधान ने तब उच्च न्यायालय से पुलिस के पहले के आश्वासन को आगे बढ़ाने की मांग की कि विधायक के खिलाफ एक और सप्ताह कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

पीठ ने विशेष लोक अभियोजक सुदीप पासबोला से पूछा कि क्या पुलिस को दंडात्मक कार्रवाई से छूट को एक और हफ्ते तक बढ़ाने पर कोई आपत्ति है। इस पर पासबोला ने कहा कि पुलिस भाजपा विधायक के खिलाफ एक हफ्ते तक कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करेगी। उच्च न्यायालय ने कहा, हम पुलिस के बयान को स्वीकार करते हैं कि वह 27 जनवरी तक आवेदक (नितेश राणे) के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करेगी। नितेश और दलवी ने उनके खिलाफ सिंधुदुर्ग पुलिस द्वारा दिसंबर 2021 में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 307 (हत्या का प्रयास), 120 (बी) (आपराधिक साजिश) और 34 (सामान्य इरादे) के तहत दर्ज मामले में अग्रिम जमानत मांगी थी।

पीएम की सुरक्षा पर चन्नी ने जताया खेद, पीएम मोदी के लिए पढ़ा शेयर तुम सलामत रहो कयामत तक

नई दिल्ली । मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने पिछले दिनों राज्य के दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में हुई चूक को लेकर खेद प्रकट कर उनकी सलामती की कामना करने के लिए शेर भी पढ़ा। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक कोरोना की स्थिति पर समीक्षा के लिए प्रधानमंत्री द्वारा बुलाई गई मुख्यमंत्रियों की बैठक के दौरान चन्नी ने उनके दीर्घायु होने की कामना करते हुए शेर सुनाया। सूत्रों के मुताबिक चन्नी ने मोदी से कहा कि उनके पंजाब दौरे के दौरान जो कुछ भी हुआ उसका उन्हें खेद है, क्योंकि देश का प्रधानमंत्री होने के नाते वह उनके लिए बहुत सम्मानित हैं। उन्होंने कहा, तुम सलामत रहो कयामत तक और खुदा करे कि कयामत ना हो।' ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा चूक के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आक्रामक रवैया अपनाकर सीधे तौर पर पंजाब सरकार को दोषी ठहरा रही है। भाजपा नेताओं ने कांग्रेस और पंजाब सरकार पर प्रधानमंत्री की हत्या की साजिश रचने तक का आरोप लगाया है। चन्नी पहले भी घटना को लेकर खेद जता चुके हैं लेकिन साथ ही वह यह भी कहते रहे हैं कि प्रधानमंत्री की जान को कोई खतरा नहीं था। कुछ मौकों पर उन्होंने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री का मजाक भी उड़ाया।

अखिलेश पर योगी का हमला, अपराधियों-दंगाइयों को टिकट देकर उन्होंने बता दिया कि यह नई नहीं वही सपा है

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज गाजियाबाद में थे। गाजियाबाद में उन्होंने कोरोना वायरस वैक्सीनेशन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक की और साथ ही साथ कई दिशा-निर्देश भी दिए। इसी दौरान उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रत्याशियों की सूची ने पुनः सपा के वास्तविक चरित्र को प्रदर्शित कर दिया है। दंगाइयों, भूमाफियाओं और पेशेवर गुंडों को उम्मीदवार बना कर इन्होंने बता दिया है कि ये नई नहीं ये वही सपा है।

इसके साथ ही योगी ने दावा किया कि 10 मार्च को जब भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएगी तब यह अपराधी पहले की ही तरह फिर से बिल में घुस जाएंगे। इस दौरान योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में कोरोनावायरस की तीसरी लहर नियंत्रण में है। प्रदेश में लगातार वैक्सीनेशन का कार्य तेजी से चल रहा है। बेहतर प्रबंधन और दवाइयों की वजह से लोगों में फिलहाल गंभीर लक्षण दिखाई नहीं दे रहे हैं। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश को ऑक्सीजन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए हमने प्रदेश में 551 ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किए हैं। राज्य के प्रत्येक ज़िले में एक समर्पित एकीकृत कोविड नियंत्रण केंद्र है।

वहीं योगी सराकर से मंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि वैक्सीनेशन को कल 1 वर्ष पूरे हुए और दुनिया में प्रसन्नता व्यक्त की जा रही है कि भारत ने कोरोना को बेहतर ढंग से नियंत्रित किया है। लेकिन कुछ नेता लोगों को गुमराह कर रहे है कि ये बीजेपी की वैक्सीन है जबकि उनके पिता मुलायम सिंह यादव ने चुपचाप वैक्सीन लगा ली। उन्होंने कहा कि कल मैंने उनकी (अखिलेश यादव) पत्नी डिंपल जी से अनुरोध किया कि आप अपने पति को भी वैक्सीन लगवा दीजिए ताकि जनता ये ना समझे कि ये कोरोना बढ़ाने वाले नहीं है बल्कि कोरोना बढ़ाने वाले लोग है।

योगी जी के जीतने से मार्च में यूपी को मिलेगा मजबूत विपक्ष : टिकैत

प्रयागराज। उत्तरप्रदेश की राजनीति में इनदिनों चुनावी माहौल है।प्रतिदिन नए सियासी समीकरण सामने आ रहे हैं। इसी बीच प्रयागराज माघ मेला में तीन दिवसीय किसानों के चिंतन शिविर में शामिल होने पहुंचे भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने बड़ा बयान दिया है। टिकैत ने दोहराया है कि यूपी में मजबूत विपक्ष के लिए सीएम योगी का गोरखपुर सीट से जीतना जरूरी है। टिकैत ने कहा कि दो चीजें एक साथ होने जा रही हैं।योगी गोरखपुर से चुनाव जीतने वाले हैं और उनके चुनाव जीतने पर मार्च महीने से विपक्ष मजबूत होगा। उन्होंने कहा है कि किसान समझदार है और वह इशारों को समझते हैं। टिकैत ने कहा है कि किसान यूनियन 22 जनवरी से 3 दिनों तक लखीमपुर खीरी में फिर डेरा जमाएगा। उन्होंने सपा-आरएलडी गठबंधन को समर्थन देने की खबरों का खंडन किया है। टिकैत ने कहा, किसान यूनियन किसी भी सियासी पार्टी या गठबंधन को अपना समर्थन नहीं देगी। टिकैत ने सफाई देकर कहा है कि एक प्रत्याशी आशीर्वाद मांगने आया था।उस सिर्फ आशीर्वाद दिया गया था। टिकैत ने कहा है कि कोई भी आशीर्वाद मांगने आएगा,तब उस वापस नहीं भेजा जा सकता है।टिकैत ने कहा कि हमारे करीबी धर्मेंद्र मलिक के चुनाव लड़ने की बात भी गलत है। उन्होंने कहा है कि मलिक या यूनियन से जुड़ा कोई बड़ा चेहरा विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ेगा। उन्होंने कहा है कि जेल गए और हिंसा में मारे गए किसानों के परिवार वालों से मुलाकात करुंगा। किसानों के परिवार वालों से मुलाकात के बाद ही आगे के आंदोलन की रणनीति तय होगी। जेल जाकर वहां बंद किसानों से मुलाकात की भी कोशिश रहेगी।माघ मेले में तीन दिन तक चिंतन शिविर के बाद किसानों की समस्याओं को लेकर 31 जनवरी को पूरे देश में प्रदर्शन होगा।

कोरोना वैक्सीनेशन को लेकर अच्छी खबर, 12 से 14 साल तक के बच्चों को मार्च से लगेगी वैक्सीन

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

देश में कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ टीकाकरण अभियान तेजी से चल रहा है। इसी कड़ी में 3 जनवरी से सरकार ने 15 से 18 साल के बच्चों के लिए टीकाकरण शुरू किया था। इसके अलावा 60 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए बूस्टर डोज की भी शुरूआत हो चुकी है। इन सबके बीच बच्चों के वैक्सीनेशन को लेकर अच्छी खबर आ रही है। दरअसल देश में मार्च महीने से 12 से 14 साल तक के बच्चों का कोरोना वैक्सीनेशन शुरू हो जाएगा। इस बात की जानकारी टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह के प्रमुख एनके अरोड़ा ने दी।

आपको बता दें कि देश में राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 157.20 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। वहीं देश में टीकाकरण अभियान का एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इसने वैश्विक महामारी के खिलाफ लड़ाई को बेहद मजबूत बनाया और इसके चलते ही लोगों की जान बचाई जा सकी तथा सुरक्षित तरीके से आजीविका चलाई जा सकी। उन्होंने कहा कि जब वैश्विक महामारी पहली बार आई थी, तब वायरस के बारे में ज्यादा नहीं पता था। हालांकि, हमारे वैज्ञानिकों और नवप्रवर्तकों ने टीकों को विकसित करने में खुद को झोंक दिया।

अभियान पिछले साल 16 जनवरी से तब शुरू हुआ था, जब पहले चरण में स्वास्थ्यकर्मियों को टीके की खुराकें दी गईं थी। इसके बाद अग्रिम मोर्चे के अन्य कर्मियों के लिए टीकाकरण दो फरवरी से शुरू हुआ था। कोविड-19 टीकाकरण का अगला चरण एक मार्च से शुरू हुआ, जिसमें 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों और 45 वर्ष से अधिक उम्र के उन लोगों को टीका लगाया गया जिन्हें अन्य गंभीर बीमारियां थी। अभियान के अगले चरण में 45 वर्ष से ऊपर के सभी लोगों का टीकाकरण एक अप्रैल से शुरू हुआ था। सरकार ने 18 साल से ऊपर के सभी लोगों के टीकाकरण की अनुमति देकर अभियान का दायरा एक मई 2021 से और बढ़ा दिया था। इसके बाद 15 से 18 आयु वर्ग के किशोर-किशोरियों के लिए कोविड-19 टीकाकरण अभियान का अगला चरण इस साल तीन जनवरी से शुरू हुआ।

देश के टुकड़े करना चाहती है भाजपा, हमारे पास उससे जान छुड़ाने का है मौका: महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर। (एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि 70 साल पहले भारत के लोगों को देश को अंग्रेजों से आजाद कराने का मौका मिला था और आज हमारे पास भाजपा से जान छुड़ाने का मौका है।

समाचार एजेंसी के मुताबिक, पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि 70 साल पहले भारत के लोगों को देश को अंग्रेजों से आजाद कराने का मौका मिला था। आज हमारे पास मौका है भाजपा से जान छुड़ाने का। यह उस आजादी से भी बड़ी आजादी होगी क्योंकि ये इस देश के टुकड़े करना चाहते हैं। ये हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई को बांटना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जब ये बाबर और औरंगजेब की बात करते हैं तो इन्हें उत्तर प्रदेश में लोगों को देने और बोलने के लिए कुछ नहीं होता है। अगर होता तो गरीबी नहीं होती, अस्पताल होते, लोगों के पास रोजगार होता तो कोरोना महामारी में लोग अपनों की लाशें गंगा में नहीं बहा रहे होते।

जिया-उल-हक के शासन से की थी सरकार की तुलना

गौरतलब है कि महबूबा मुफ्ती ने कुछ सप्ताह पहले भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की तुलना पूर्व पाकिस्तानी सैन्य तानाशाह जनरल मुहम्मद जिया-उल-हक के शासन से की थी। उस वक्त उन्होंने अनुच्छेद 370 का जिक्र करते हुए कहा था कि हमारे देश में जो हो रहा है वह सब देख रहे हैं।

हरक सिंह रावत अपने परिवार के लोगों के लिए? टिकट का दवाब बना रहे थे: धामी

देहरादून/नयी दिल्ली। (एजेंसी)

आसन्न विधानसभा चुनाव से पहले कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से निष्कासित किए जाने के बाद सोमवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दावा किया कि वह अपने और परिवार के लिए टिकट का दबाव बना रहे थे। धामी के अनुसार, पार्टी ने तय किया है कि एक परिवार से एक व्यक्ति को ही टिकट दिया जाएगा। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मदन कौशिक के साथ नई दिल्ली से लौटने के बाद देहरादून में संवाददाताओं से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी ने हरक सिंह रावत को कोटद्वार मेडिकल कॉलेज सहित विकास के सभी मुददों पर हमेशा सम्मान दिया। उन्होंने कहा, 'हमारी पार्टी विकासवाद और राष्ट्रवाद पर चलने वाली पार्टी है,वंशवाद से दूर रहने वाली पार्टी है। हम 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को लेकर आगे बढ़ रहे हैं।' धामी ने कहा कि रावत की बातों से कई बार पार्टी असहज हुई है।

उन्होंने कहा, 'लेकिन फिर भी...चूंकि हमारी बड़ी पार्टी है... हमारा बड़ा परिवार है, हमने हमेशा उनको साथ लेकर चलने की कोशिश की, लेकिन परिस्थितियां ऐसी हो गई थीं...वह खुद समेत अपने परिवार के और लोगों के लिए टिकट का दबाव बना रहे थे।' उन्होंने कहा, 'इसलिए पार्टी ने यह फैसला (उन्हें निष्कासित करने का) किया। हमने तय किया है कि एक परिवार से एक व्यक्ति को ही टिकट दिया जाएगा। किसी भी परिवार को हम दो या तीन टिकट नहीं देंगे, क्योंकि हमारी पार्टी हमेशा इसके खिलाफ रही है।' मुख्यमंत्री ने हालांकि इस बात से इंकार किया कि पार्टी में कहीं कोई फूट है या अन्य विधायक भी भाजपा छोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोई विधायक कहीं नहीं जा रहा है। पूर्व मंत्री रावत के कांग्रेस में शामिल होने की अटकलों के बीच भाजपा ने रविवार को उन्हें छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया था। पौड़ी गढवाल जिले की कोटद्वार विधानसभा सीट से विधायक रावत अपनी सीट बदलने के साथ ही अपनी पुत्रवधु अनुकृति के लिए भी भाजपा से टिकट मांग रहे थे। समझा जाता है कि इन मुददों पर भाजपा के राजी न होने पर वह कांग्रेस में शामिल होने की संभावनाएं टटोल रहे थे। उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री रावत को, अनुशासनहीनता का आरोप लगाते हुए भाजपा ने रविवार को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया। उन्हें इससे पहले राज्य मंत्रिमंडल से भी बर्खास्त कर दिया गया था। रावत उत्तराखंड मंत्रिमंडल में वन और श्रम मंत्री थे।

बड़ा खुलासा: पाकिस्तान से तस्करी कर लाए गए 24 बमों से एक था पूर्वी दिल्ली में बरामद हुआ आईईडी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

खुफिया एजेंसियों के अनुसार पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर इलाके में बरामद आईईडी पाकिस्तान से भारत में तस्करी कर लाए गए विस्फोटकों की खेप का हिस्सा था। समाचार एजेंसी ने एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से कहा कि गाजीपुर में टेप से लिपटे आईईडी वाले बैग को स्लीपर सेल द्वारा लगाया गया था। बरामद किए गए विस्फोटकों का वजन लगभग 1.5 किलोग्राम था, जिसमें आरडीएक्स और अमोनियम नाइट्रेट दोनों थे और उनमें उच्च तीव्रता वाले विस्फोट की संभावना थी। उम्मीद की जा रही है कि इस तरह के बम स्लीपर सेल के नेटवर्क के माध्यम से मतदान वाले राज्यों में पहुंच गए हैं। हाल ही में जम्मू-कश्मीर और पंजाब से बरामद की गईं डिवाइसेज को भी उसी खेप का हिस्सा माना जा रहा है। खुफिया एजेंसियों ने मामले की विस्तृत रिपोर्ट के लिए दिल्ली पुलिस और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के साथ समन्वय किया। एनएसजी इस मामले में दिल्ली पुलिस के साथ अपनी रिपोर्ट साझा करेगी। पिछले कुछ महीनों में सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोन गतिविधियों में वृद्धि हुई है, कई बार ड्रोन विस्फोटकों को गिराने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं, विशेष रूप से टिफिन बम जिनका पता नहीं चल पाता है और उनका इस्तेमाल चुनाव से पहले या चुनाव के दौरान आतंकी गतिविधियों में किया जा सकता है। वरिष्ठ अधिकारी ने एएनआई से कहा कि ऐसा लगता है कि यह पाकिस्तान से पहुंचाई गई एक खेप का हिस्सा है जो स्लीपर सेल के माध्यम से दिल्ली पहुंचा है। खुफिया एजेंसियां सिंडिकेट में शामिल संदिग्धों पर नजर रख रही हैं। हमने यूपी एटीएस के साथ भी जानकारी साझा की है।

कश्मीर में सक्रिय अल कायदा से जुड़े आतंकवादी समूह मुजाहिदीन गजवत-उल-हिंद (एमजीएच) के नाम से एक टेलीग्राम चैनल के बाद खुफिया और सुरक्षा एजेंसियां की निगाहे उस पर बनी हुई है। जिसने आईईडी लगाने की जिम्मेदारी ली है। एक टेलीग्राम चैनल ने दावा किया है कि गाजीपुर में तकनीकी खराबी के कारण विस्फोटक नहीं फटा लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उनकी योजना विफल हो गई है। संदेश को दिल्ली पुलिस के साथ साझा किया गया है और अधिक भीड़ वाले स्थानों पर गश्त बढ़ाने के लिए कहा गया है।

मुट्ठी में गेहूं-चावल लेकर अखिलेश ने लिया भाजपा को हराने का अन्न संकल्प, किए यह बड़े वादे

लखनऊ। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी अब किसानों को साधने में जुट गई है। इसी कड़ी में आज अखिलेश यादव ने अन्न संकल्प लिया। मुट्ठी में गेहूं और चावल लेकर अखिलेश यादव के साथ कई लोगों ने अन्न संकल्प लिया। इस दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि हम सभी लोग संकल्प लेते हैं कि जिन्होंने किसानों पर अन्याय और अत्याचार किया, उन्हें इस चुनाव में हराएंगे और हटाएंगे। यही हमारा अन्न संकल्प है। इस दौरान अखिलेश यादव के साथ किसान नेता तेजिंदर सिंह बिक्र भी थे। अखिलेश ने दावा किया कि जब लखीमपुर खीरी कांड हुआ था उस वक्त तेजिंदर भी गाड़ी के टक्कर लगने से जख्मी हुए थे।

अन्न संकल्प के दौरान अखिलेश यादव ने किसानों से कई बड़े वादे भी किए हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि अगर समाजवादी पार्टी की सरकार बनती है तो गिफ्ट गन्ना किसानों को 15 दिन में भुगतान किए जाएंगे। उन्होंने किसानों को मुफ्त में बिजली देने और ब्याज मुक्त लोन तथा बीमा भी देने की बात कही है। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के घोषणा पत्र में किसानों को सभी फसलों पर एमएसपी, गन्ना किसानों को 15 दिन में उनका भुगतान, किसानों को सिंचाई के लिए बिजली मुफ्त, ब्याजमुक्त लोन, किसानों के लिए बीमा एवं पेंशन की व्यवस्था को शामिल किया जाएगा। भाजपा पर प्रहार करते हुए कहा कि वे बताएं कि राज्य में कितनी स्मार्ट सिटी बन गई है।

भाजपा पर हमला जारी रखते हुए अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश चुनाव के लिए बड़े-बड़े षडयंत्र और साजिश की जा रही हैं। हमारे परिवार की हमसे ज्यादा चिंता भाजपा को है। हमारा घोषणा पत्र भाजपा के घोषणा पत्र के बाद आएगा। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों पर 7 चरणों में चुनाव होंगे। इन सात चरणों के तहत 10 फरवरी, 14 फरवरी, 20 फरवरी, 23 फरवरी, 27 फरवरी, 3 मार्च और 7 मार्च को मतदान होंगे जबकि नतीजे 10 मार्च को आएंगे। उत्तर प्रदेश में मुख्य मुकाबला समाजवादी पार्टी और भाजपा के बीच मानी जा रही है। हालांकि बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस ने भी जबरदस्त तरीके से चुनावी दमखम लगा रखा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में भाग लो ईनाम जीतो

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने पर ईनाम जीतो

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई